अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 232 | लखनऊ, बुधवार, 11 मार्च 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

भारत ने मोजाम्बिक में बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी राहत सामग्री

नई दिल्ली। पूर्वी अफ्रीकी देश मोजाम्बिक के मध्य और दक्षिणी प्रांतों में आई बाढ़ से मची तबाही के बीच भारत ने मंगलवार को व्यापक मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान शुरू किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार संकट की इस घड़ी में मोजाम्बिक के साथ भारत ने एकजुटता दिखाते हुए यहां के लिए खाद्य सुरक्षा और चिकित्सा सुविधाओं सहित अन्य बहुआयामी सहायता प्रदान की है। इसमें तत्काल खाद्य सहायता के रूप में 500 मीट्रिक टन चावल और 10 मीट्रिक टन अन्य राहत सामग्री भारतीय नौसेना के जहाज के जरिए भेजी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''भारत हिंद महासागर क्षेत्र और अफ्रीका में विश्वसनीय प्राथमिक प्रतिक्रियाकर्ता और दृढ़ सहयोगी के रूप में अपनी भूमिका के प्रति प्रतिबद्ध है।

गैस सिलेंडर संकट पर सरकार जवाब दे: अखिलेश यादव

लखनऊ। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का असर भारत में अभी रसोई गैस की किल्लत के रूप में देखी जा रही है। ताजा स्थिति यह है कि लखनऊ में लोग गैस के लिए एजेंसियों के चक्कर काट रहे हैं। वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रसोई गैस सिलेंडरों की आपूर्ति और बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि वार को लेकर देश में मौजूदा हालात को लेकर जो स्थिति बन रही है, उसकी पूरी जानकारी सरकार को है, लेकिन इसके बावजूद आम लोगों को राहत देने के लिए ठोस कदम नजर नहीं आ रहे हैं।

राजौरी में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश, एक पाकिस्तानी आतंकवादी ढेर

राजौरी। सेना के जवानों ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश करते एक आतंकवादी को मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने दोपहर करीब तीन बजे एलओसी के पास नौशेरा सेक्टर के झंगड़ के सामान्य इलाके में दो आतंकवादियों की गतिविधियों का पता लगाया। गोलीबारी होने पर एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया गया, जिससे नियंत्रण रेखा के किसी भी उल्लंघन को प्रभावी ढंग से रोका जा सका। दूसरे आतंकवादी का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह इलाके में छिपा हुआ है।

कैबिनेट में 30 प्रस्तावों को मंजूरी

● कर्मचारियों की संपत्ति घोषणा अनिवार्य, ग्रामीण बस सेवा और रजिस्ट्री व्यवस्था में बदलाव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में 30 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें सरकारी कर्मचारियों की संपत्ति और निवेश पर सख्ती, प्रॉपर्टी रजिस्ट्री में पारदर्शिता, ग्रामीण परिवहन सेवा का विस्तार तथा आवास योजनाओं से जुड़े कई अहम निर्णय शामिल हैं।

कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्रियों ने फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की चल-अचल संपत्ति की वार्षिक घोषणा अनिवार्य कर दी है। अब सभी कर्मचारियों को हर वर्ष अपनी संपत्ति का विवरण देना होगा। इसके साथ ही यदि कोई कर्मचारी अपने छह महीने के मूल वेतन से अधिक राशि शेयर या स्टॉक मार्केट में निवेश करता है, तो उसे इसकी जानकारी देनी होगी। ऐसे मामलों में जांच अनिवार्य होगी और दोषी पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

सरकार का कहना है कि इस कदम से पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने बताया कि अब प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री से पहले विक्रेता की पहचान और मिल्कियत की पूरी जांच खतौनी के आधार पर की जाएगी। बिना खतौनी सत्यापन के रजिस्ट्री नहीं होगी। विक्रेता के लिए अपनी मिल्कियत खतौनी में दर्ज कराना अनिवार्य होगा। साथ ही स्टाम्प शुल्क सर्किल रेट के आधार पर ही लिया जाएगा और नगर निगम क्षेत्रों में 2 प्रतिशत अतिरिक्त विकास शुल्क भी लगाया जाएगा। कैबिनेट ने मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन योजना 2026 को भी मंजूरी दी है। इस योजना के तहत प्रदेश की सभी 59,163 ग्राम सभाओं तक बस सेवा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। ग्रामीण इलाकों में परिवहन सुविधा मजबूत करने के लिए 28 सीटों वाली छोटी बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा ओला-उबर जैसी एग्रीगेटर कंपनियों के संचालन के लिए भी नए नियम लागू किए गए हैं। अब इन कंपनियों को परिवहन विभाग में अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए 25 हजार रुपये आवेदन शुल्क और 5 लाख रुपये लाइसेंस शुल्क देना होगा, जबकि हर पांच वर्ष में 5 हजार रुपये देकर लाइसेंस का नवीनीकरण कराना होगा। आवास से जुड़े फैसलों में पीएम आवास योजना के तहत लाभार्थियों के लिए घर की अधिकतम लागत सीमा 6.50 लाख रुपये से बढ़ाकर 9 लाख रुपये कर दी गई है। इसके अलावा कांशी राम योजना के खाली या अवैध कब्जे वाले मकानों से कब्जेदारों को हटाकर उनकी मरम्मत और रंगाई-पुताई कराई जाएगी तथा उन्हें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के पात्र परिवारों को आवंटित किया जाएगा।

सरकार का कहना है कि इन फैसलों से प्रशासनिक पारदर्शिता, ग्रामीण कनेक्टिविटी और आवास सुविधाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों की हरसंभव सहायता करेगी सरकार : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को मदद देने के लिए सरकार बीमा समर्थन जैसी नई योजनाएं शुरू करने की संभावना तलाश रही है। उन्होंने कहा कि सरकार निर्यातकों को सहायता के लिए सभी तरीकों का इस्तेमाल करेगी।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आहार अंतरराष्ट्रीय भोजन और आतिथ्य मेला के 40वें संस्करण के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के खाद्य और कृषि उत्पादों, जिनमें कृषि उपज और मत्स्य पालन शामिल हैं, उसका निर्यात सालाना लगभग 5 लाख करोड़ रुपये (55 अरब डॉलर से अधिक) तक पहुंच गया है, जिससे देश विश्व में कृषि उपज का सातवां सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है।

उन्होंने कहा कि हम निर्यातकों की मदद के लिए बीमा समर्थन जैसी कुछ नई योजनाएं विकसित करने पर भी विचार कर रहे हैं। इस बारे में ईसीजीसी और अन्य विभागों से चर्चा की जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि एक अंतर-मंत्रालयी समूह पश्चिम एशिया संकट से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखे हुए है। साथ ही निर्यातकों के साथ लगातार संपर्क में है।

प्रधानमंत्री ने कैबिनेट के फैसलों को बताया विकास की नई दिशा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कैबिनेट के फैसलों को देश के विकास के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन पर कैबिनेट का निर्णय ग्रामीण भारत में सतत और भरोसेमंद नल जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग पोस्ट में कहा कि जल जीवन मिशन पर कैबिनेट का फैसला बुनियादी ढांचे के निर्माण से आगे बढ़कर नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण पर ध्यान केंद्रित करेगा। इससे जल सुरक्षा मजबूत होगी, स्वास्थ्य परिणाम बेहतर होंगे और ग्रामीण समुदायों, विशेषकर नारी शक्ति को सशक्त बनाया जाएगा। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु की वृद्धि और कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कैबिनेट ने मदुरै हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित करने की मंजूरी दी है। इससे दक्षिणी तमिलनाडु में पर्यटन, व्यापार और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

रेलवे की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

पश्चिम बंगाल व झारखंड में 192 किमी नेटवर्क का होगा विस्तार

● मदुरै एयरपोर्ट बनेगा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

● बदनावर-पेटलावाद-थंदला-तिमारवानी खंड में चार लेन सड़क निर्माण को मंत्रिमंडल की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने मंगलवार को रेल मंत्रालय की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनकी कुल अनुमानित लागत 4,474 करोड़ रुपये है और इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में संवाददाता सम्मेलन में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्वीकृत परियोजनाओं में सैंथियाऽपाकुड़ चौथी लाइन (81 किमी) तथा संतरागाछीऽखड़गपुर चौथी लाइन (111 किमी) शामिल हैं। इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे की मौजूदा नेटवर्क क्षमता में लगभग 192 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

उन्होंने संतरागाछी-खड़गपुर चौथी लाइन परियोजना को लेकर कहा कि संतरागाछी कोलकाता के चार बड़े रेलवे स्टेशनों में से एक है। इस स्टेशन पर बहुत सारा विकास कार्य चल रहा है। यह छह मंज़िला स्टेशन बनकर तैयार हो रहा है। सरकार के अनुसार इन परियोजनाओं से रेलवे की लाइन क्षमता बढ़ेगी, जिससे परिचालन दक्षता और सेवा की विश्वसनीयता में सुधार होगा। मल्टीट्रैकिंग के माध्यम से ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम होगी और रेलवे मार्गों पर भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार की गई हैं, जिनका उद्देश्य मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाना है। इसके माध्यम से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही अधिक सुगम होगी।

दोनों परियोजनाएं पश्चिम बंगाल और झारखंड के कुल पांच जिलों को कवर करेंगी। इससे लगभग 5,652 गांवों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा, जहां करीब 1.47 करोड़ की आबादी निवास करती है।

जल जीवन मिशन को मिला विस्तार

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) की अवधि को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। जेजेएम 2.0 के तहत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अतिरिक्त आवंटन और पुनर्गठित कार्यान्वयन शामिल है। जल जीवन मिशन 2.0 के तहत दिसंबर 2028 तक देशभर के सभी 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल के पानी का कनेक्शन प्रदान किया जाएगा।

जून तक पूरा कर लें बीडा के लिए भूमि अधिग्रहण : मुख्यमंत्री

● प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं के लिए भूमि क्रय प्रक्रिया तेज करने के मुख्यमंत्री के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में प्रस्तावित विभिन्न एक्सप्रेस-वे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए हैं।

मंगलवार को प्रगति समीक्षा बैठक में निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे, फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे, झांसी लिंक एक्सप्रेस-वे तथा जेवर लिंक एक्सप्रेस-वे की प्रगति पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सम्बंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि इन परियोजनाओं के लिए भूमि क्रय की प्रक्रिया को अविलम्ब गति देते हुए सभी बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए, ताकि एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का विस्तार प्रदेश में निवेश, औद्योगिक गतिविधियों और क्षेत्रीय संतुलित विकास को नई गति देगा। मुख्यमंत्री योगी ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित बैठक में कहा कि प्रदेश की तीव्र आर्थिक प्रगति के लिए मजबूत अवसंरचना आधार अत्यंत आवश्यक है और किसी भी परियोजना में अनावश्यक विलंब या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा, उच्च गुणवत्ता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाए। समीक्षा में बताया गया कि गंगा एक्सप्रेस-वे का मुख्य कैरिजवे निर्माण पूरा हो चुका है और शेष कार्य तेजी से पूर्ण किए जा रहे हैं।

भारत में घरेलू उपभोक्ताओं को ईंधन की कोई कमी नहीं होगी : हरदीप सिंह पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को भरोसा दिलाया कि भारत में घरेलू उपभोक्ताओं को पेट्रोलियम पदार्थों (पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और पीएनजी) की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि देश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में ये भरोसा दिलाया कि भारत में घरेलू उपभोक्ताओं को ईंधन की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि देश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और वैश्विक तनाव के बावजूद निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

हरदीप सिंह पुरी ने भरोसा दिलाया कि भारत में घरेलू कंज्यूमर्स के लिए एनर्जी की कोई कमी नहीं है और घबराने की कोई बात नहीं है। पेट्रोलियम मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत का ऊर्जा आयात अलग-अलग सोर्स और रास्तों से लगातार हो रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने यह पक्का करने के लिए कई कदम उठाए हैं कि घरेलू उपभोक्ताओं को सीएनजी और पीएनजी की 100 फीसदी सप्लाई हो, और पश्चिम एशिया के मौजदा हालात के बावजूद दूसरी इंडस्ट्रीज़ को उनकी सप्लाई का 70 से 80 फीसदी मिलता रहे।

पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष और हिंसामुक्त होंगे विधानसभा चुनाव : ज्ञानेश कुमार

एजेंसी

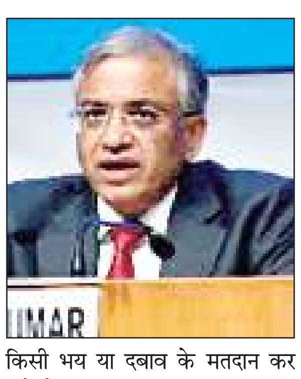

कोलकाता। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि इस वर्ष होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष और हिंसामुक्त कराए जाएंगे। उन्होंने मतदाताओं को भरोसा दिलाया कि वे बिना किसी डर और दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, ल्लमैं पश्चिम बंगाल के अपने सभी भाई-बहनों को शुभकामनाएं देता हूं। राज्य में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष और हिंसामुक्त होंगे। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के मतदान कर सकेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त मंगलवार सुबह हावड़ा स्थित बेलूर मठ पहुंचे, जो स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय है। यहां दर्शन करने के बाद चुनाव आयोग का पूर्ण पीठ राज्य सरकार के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करने वाला है। इस बैठक में राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक पीयूष पांडेय समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में चुनाव से संबंधित तैयारियों और कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त पत्रकार वार्ता को भी संबोधित करेंगे। चुनाव आयोग का पूर्ण पीठ देर शाम दिल्ली लौट जाएगा।

निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समावेशी विकास की मजबूत नींव: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि प्रत्यक्ष कर देश के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक स्थिर राजस्व स्रोत के रूप में यह सरकारों को अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली समानता को बढ़ावा देती है और समावेशी तथा सतत विकास की मजबूत नींव तैयार करती है। राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को भारतीय राजस्व सेवा (आईटी) के 79वें बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि राजस्व सेवा का दायित्व केवल कर संग्रह तक सीमित नहीं है।

जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत सोनवा गाँव में चैरिटी क्रिकेट मैच का सफल आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज सोनवा गाँव में एक चैरिटी क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम Eveready Industries India Limited के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह पूरा अभियान ग्राउंड वाटर बोर्ड के नियमों के अनुसार जल सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सोनवा में दो तालाब तथा महेंगावा गाँव में दो तालाबों का पुनर्निर्माण (Redevelopment) कराया गया है, जिससे क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और भूजल स्तर सुधारने में मदद मिलेगी।

इस मैच में एक टीम सोनवा गाँव की थी तथा दूसरी टीम Eveready Industries India Limited की थी। रोमांचक मुकाबले में सोनवा गाँव की टीम विजेता रही, जिसके बाद खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान (एमएलसी) रहे। इस अवसर पर उन्होंने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसके लिए समाज के हर वर्ग को आगे आकर योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत श्री पुनीत सिन्हा, संयुक्त महाप्रबंधक, Eveready Industries India Limited द्वारा किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में ग्राम प्रधान अशोक कुमार गिरी का विशेष सहयोग प्राप्त रहा। वहीं पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था एवं समन्वय का दायित्व श्री विनोद कुमार तिवारी, ग्राउंड वाटर कंसल्टेंट एवं प्रोप्राइटर ऽ अमन एनवायरो इंजीनियरिंग कंसल्टेंट द्वारा सफलतापूर्वक निभाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों, युवाओं एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही तथा सभी ने जल संरक्षण के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

उत्तर प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म से बदलेगा पर्यटन परिदृश्य : जयवीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- उत्तर प्रदेश जल्द बनेगा एडवेंचर टूरिज्म और नव ऊर्जा का केंद्र, पर्यटन को नया आयाम देने का प्रयास

लखनऊ। गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोग छुट्टियों में कुछ नया और रोमांचक तलाशते हैं। इसी बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश पर्यटन ने टूरिज्म के नए आयाम गढ़ने की दिशा में एक बड़ा और महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। राज्य को रोमांच, नवाचार और अनुभव आधारित पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनाने के लक्ष्य के साथ पर्यटन विभाग ने एडवेंचर टूरिज्म को नई पहचान देने की पहल शुरू की है। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 के तहत प्रदेशभर में साहसिक पर्यटन परियोजनाओं में निवेश के लिए व्यक्तियों, संस्थाओं और उद्यमियों को आमंत्रित किया है, ताकि राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर एडवेंचर टूरिज्म के सशक्त गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा सके। इस पहल से न केवल गर्मियों में पर्यटन गतिविधियों को रफ्तार मिलेगी, बल्कि रोजगार, निवेश और स्थानीय उद्यमिता के नए अवसर भी पैदा होंगे। 'एडवेंचर टूरिज्म में अग्रणी बनना लक्ष्य' उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'राज्य में पर्यटन को महज दर्शनीय स्थलों तक सीमित न रखते हुए हम उसे रोमांचक अनुभवों से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देकर प्रदेश की विविध भौगोलिक और प्राकृतिक संभावनाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाई जाएगी। इस प्रयास में निजी क्षेत्र, उद्यमियों और संस्थाओं की भागीदारी अहम होगी। हमारा लक्ष्य उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी एडवेंचर टूरिज्म गंतव्यों में स्थापित करना है। पर्यटकों की रुचि और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भूमि आधारित, जल आधारित और वायु आधारित एडवेंचर टूरिज्म को इन तीन प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इसका उद्देश्य साहसिक गतिविधियों के माध्यम से प्रदेश को एक आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा सके। लैंड बेस्ड एडवेंचर टूरिज्म उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा रोमांच और उत्साह के नए आयाम खोलते हुए भूमि आधारित साहसिक पर्यटन (लैंड बेस्ड एडवेंचर टूरिज्म) को एक सशक्त पहचान के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत एटीवी (ऑल-टेरेन व्हीकल) टूर, बंजी जंपिंग, साइकिलिंग टूर, जीप सफारी और मोटरसाइकिल टूर जैसी गतिविधियां न केवल युवाओं के जोश को नया मंच देंगी, बल्कि एडवेंचर पसंद करने वालों को यादगार अनुभव भी प्रदान करेंगी। पानी की लहरों पर रोमांच को नया आयाम देने की दिशा में 'जल आधारित एडवेंचर टूरिज्म' (वाटर बेस्ड एडवेंचर टूरिज्म) को पर्यटन विकास की प्रमुख कड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। कयाकिंग, राफ्टिंग, रिवर क्रूज़िंग और आधुनिक वाटर स्पोर्ट्स सेंटर जैसी गतिविधियों के माध्यम से पर्यटकों को रोमांचक अनुभव प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। विभाग द्वारा आकाश की ऊंचाइयों से रोमांच का नया अध्याय खोलने की दिशा में 'एयर बेस्ड एडवेंचर टूरिज्म' को बढ़ावा दिया जा रहा है। हॉट एयर बैलूनिंग, पैराग्लाइडिंग और स्काईडाइविंग जैसी साहसिक गतिविधियों के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र को नई उड़ान देने की तैयारी है। सरकार की ओर से मिलेगी छूटउ0प्र0 पर्यटन नीति-2022 के तहत निवेशकों को आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाएंगे।

नीति के अनुसार, 10 लाख से 10 करोड़ रुपये तक के निवेश पर 25 प्रतिशत की सब्सिडी (अधिकतम 02 करोड़ रुपये), 50 करोड़ रुपये तक के निवेश पर 20 फीसदी (अधिकतम 7.5 करोड़ रुपये), 200 करोड़ रुपये तक के निवेश पर 15 प्रतिशत (अधिकतम 20 करोड़ रुपये), 500 करोड़ रुपये तक के निवेश पर 10 फीसद (अधिकतम 25 करोड़ रुपये) और 500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर भी 10 प्रतिशत सब्सिडी (अधिकतम 40 करोड़ रुपए) दी जाएगी।

आईटी सिटी में 350 किसानों का मिले भूखंड

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने सुल्तानपुर रोड स्थित आईटी सिटी योजना की शुरुआत कर दी। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स सभागार में 350 किसानों को लॉटरी से 549 भूखंड आवंटित किए गए। किसानों से स्वयं पर्ची निकाली और नाम आते ही खुशी का ठिकाना नहीं लगा। योजना के भूखंडों की पहली लॉटरी उन किसानों बीच कराई, जिन्होंने योजना में लैंड पूलिंग नीति के तहत निशुल्क जमीन दी है और बदले में उन्हें सेक्टर-15, 16, 17, 18 एवं 30 में नियोजित भूखंड दिए गए। लॉटरी में उन किसानों का चयन किया गया जिन्होंने जमीन देकर 31 जनवरी तक एलडीए के पक्ष में अनुबंध किया था। पारदर्शी प्रक्रिया के लिए यूट्यूब पर प्रसारण किया गया। लोगों ने घर प्रक्रिया देखी। अब नवरात्र पर भूमि पूजन के साथ योजना लांच करके आम लोगों के लिए भूखंडों के पंजीयन खोले जाएंगे। कार्यक्रम में अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा, अपर सचिव सीपी त्रिपाठी, विशेष कार्याधिकारी रविनंदन सिंह, प्रभारी-अर्जन आईटी सिटी विपिन कुमार शिवहरे रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 13 मार्च को ग्रीन कॉरिडोर का करेंगे शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ से सांसद एवं केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 12 व 13 मार्च को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के दौरे पर रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री 12 मार्च को रात्रि लगभग 8:00 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से प्रस्थान करके रात्रि 8:30 बजे पारिवारिक वैवाहिक समारोह में सम्मिलित होंगे। इसके उपरांत रात्रि विश्राम 5-ए, कालिदास मार्ग पर करेंगे। रक्षा मंत्री 13 मार्च शुक्रवार को प्रातः 11:20 बजे कालिदास मार्ग स्थित आवास से प्रस्थान कर 11:30 बजे सी.एम.एस. गोल्फ सिटी, सेक्टर-सी, पॉकेट-9 पहुंचेंगे, जहां वह सिटी मोंटेसरी स्कूल की गोल्फ सिटी शाखा के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। रक्षा मंत्री इसके बाद राजाजीपुरम में विधायक योगेश शुक्ला के आवास तथा राजेंद्र नगर स्थित विधायक निवास में स्वर्गीय विंध्यवासिनी कुमार (पूर्व एमएलसी) के आवास जाएंगे। रक्षा मंत्री शाम लगभग 4:30 बजे समतामूलक चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ग्रीन कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे तथा समतामूलक चौराहे से डालीगंज पुल तक ग्रीन कॉरिडोर का अवलोकन करेंगे और कर्मचारियों को सम्मानित करेंगे। सायं 5:00 बजे झूलेलाल वाटिका, हसनगंज में आयोजित जनसभा को भी संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत रक्षा मंत्री सायं लगभग 6:20 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

भाकपा का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन

लखनऊ। एप्टीन फाइल्स में भारतीय राजनेताओ के नाम होने के कारण ब्लेकमेल हो रहे नेता ईरान में जनता के नरसंहार का विरोध नहीं कर पा रहे हैं तथा अमरीका उन्हें कठपुतली की तरह नचा रहा है। यह बात भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बाराबंकी में प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए राज्य परिषद रणधीर सिंह सुमन ने कही ।ईरानी जनता के नरसंहार के खिलाफ पार्टी द्वारा आयोजित प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए पार्टी सचिव बृजमोहन वर्मा ने कहा कि अंग्रेजों की गुलामी से आजादी के बाद नेता में संविधान की व्यवस्था द्वारा जनता द्वारा चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकारें बनी और देश के विकास एवं जनता की खुशहाली के प्रयास हुए और साथ में भारत की सरकारों की विदेश नीति एवं कूट-नीति के द्वारा विश्व में भारत को मान-सम्मान और शांति एवं अहिंसा का दूत माना जाता रहा है ।राज्य परिषद सदस्य परवीन कुमार ने कहा कि देश को मजबूरन कई युद्ध भी लड़ने पड़े, और सोवियत संघ जैसे मित्र देशों ने भारत का खुलकर साथ दिया, जिसके चलते पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गाँधी के नेतृत्व में देश ने पकिस्तान के दो टुकड़े किये, ज्ञात हो तब अमेरिका पाकिस्तान की मदद कर रहा था। उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अमेरिका को कड़ा जवाब दिया था। प्रदर्शन कारिंदे में रामनरेश वर्मा श्याम सिंह एडवोकेट संतोष कुमार राजेन्द्र बहादुर सिंह आलोक कुमार आदित्य वर्मा रीना मोर्य आफरीन अंकुल वर्मा, प्रेम चंद वर्मा,करन राजपूत, धर्मेन्द्र शर्मा, सर्वेश यादव,राम नरेश वर्मा, दीपक वर्मा, सच्चिदानंद श्रीवास्तव,जितेन्द्र श्रीवास्तव, मो. कासिफ, पवन वर्मा, राजकुमार वर्मा,लवकुश वर्मा, दीपक शर्मा,सुन्दर लाल सोनी, संदीप तिवारी,संदीप वर्मा आदि लोग प्रमुख रूप से शामिल रहे। ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा गया है।

लिवलॉन्ग ने लखनऊ में नई शाखा खोलकर अपनी मौजूदगी का विस्तार किया

लखनऊ। भारत की अग्रणी बीमा और एकीकृत हेल्थ-टेक प्लेटफॉर्म, लिवलॉन्ग ने लखनऊ में अपनी नई शाखा शुरू करने की घोषणा की है। यह विस्तार सुलभ और हाइपरलोकल स्वास्थ्य सेवा और बीमा समाधान प्रदान करने की उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस नई शाखा के साथ, लिवलॉन्ग का लक्ष्य प्रमुख शहरी क्षेत्रों में अपनी ऑफलाइन उपस्थिति बढ़ाना है, ताकि ग्राहकों को उनके करीब ही स्वास्थ्य सेवाएं और बीमा विकल्प मिल सकें। लखनऊ शाखा रिटेल हेल्थ इंश्योरेंस, कॉर्पोरेट व्व्व प्रोग्राम और ैडम्-केंद्रित बीमा समाधानों में विकास के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करेगी। लखनऊ के व्यस्त आवासीय क्षेत्रों में से एक में स्थित यह शाखा व्यक्तियों, कॉर्पोरेट घरानों और छोटे व्यवसायों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करेगी। इस दौरान गौरव दुबे (संस्थापक और सीईओ, लिवलॉन्ग) ने कहा कि लखनऊ हमारी राष्ट्रीय विस्तार यात्रा का एक प्रमुख बाजार है। इस नई शाखा के साथ, हम अपनी हाइपरलोकल उपस्थिति को मजबूत कर रहे हैं और एकीकृत स्वास्थ्य बीमा और वेलनेस समाधानों को क्षेत्र के लोगों और व्यवसायों के लिए अधिक सुलभ बना रहे हैं। मोहित भारद्वाज (मुख्य वितरण अधिकारी और सेल्स हेड, लिवलॉन्ग) के अनुसार लखनऊ शाखा उत्तर भारत में लिवलॉन्ग के वितरण और पार्टनर इकोसिस्टम को मजबूती प्रदान करेगी। यह पूरे क्षेत्र में हमारे एकीकृत स्वास्थ्य समाधानों की व्यापक पहुंच सुनिश्चित करेगा। डॉ. सौम्य कुमार मिश्रा (नेशनल हेड, इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड)रूने कहा हम लिवलॉन्ग के लखनऊ विस्तार में उनके साथ जुड़कर खुश हैं। यह साझेदारी बढ़ते बाजारों में ग्राहकों को व्यापक स्वास्थ्य बीमा समाधान और सार्थक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह नई शाखा अगले दो वर्षों में देश भर में 100 शाखाएँ खोलने की लिवलॉन्ग की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। दिल्ली, बेंगलुरु, नासिक, कोलकाता, नागपुर और अंधेरी में हाल ही में हुए लॉन्च के बाद, लखनऊ शाखा ओपीडी सेवाओं, स्वास्थ्य बीमा और वेलनेस कार्यक्रमों के लिए भारत का सबसे भरोसेमंद और सुलभ मंच बनने के लिवलॉन्ग के विजन को पुख्ता करती है। सबसे पहले लिवलॉन्ग 365 लखनऊ शाखा का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथिरू डॉ. सौम्य कुमार मिश्रा (नेशनल हेड, इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) का उद्घाटन लिवलॉन्ग प्रोटेक्शन एंड वेलनेस सॉल्यूशंस लिमिटेड, ऑफिस नं. 4, दूसरी मंजिल, सेंटर कोर्ट, राधा कृष्ण भवन के पीछे, 3!सी 5-पार्क रोड, लखनऊ में किया गया।

पश्चिम बंगाल का 'मुगलीकरण' कर रही है तृणमूल सरकार : केशव प्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ने कहा कि तृणमूल सरकार तुष्टिकरण की घिनौनी राजनीति और घुसपैठियों की पीठ पर सवार होकर पश्चिम बंगाल का 'मुगलीकरण' कर रही है। उप मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल के दौरे पर गये हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा कि मुझे पूरा विश्वास है कि 2026 में पश्चिम बंगाल में कमल खिलने जा रहा है। पश्चिम बंगाल में कमल खिलाने के लिए माँ के चरणों में प्रार्थना की है। यहां भी भाजपा आने वाली है। पश्चिम बंगाल के विकास के लिए,पश्चिम बंगाल के सुशासन के लिए सबका जीवन खुशहाल बनाने के लिए जैसे पूरा देश आगे बढ़ रहा है वैसे पश्चिम बंगाल भी आगे बढ़े। उन्होंने आगे लिखा कि हम लोग जहाँ-जहाँ परिवर्तन यात्रा निकाले थे वहां-वहां हमारी सरकार बनी है। परिवर्तन यात्रा पश्चिम बंगाल में परिवर्तन के लिए है। यहां की जनता भी परिवर्तन चाहती है। जैसे हम लोगों ने हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार व उड़ीसा जीता उसी तरह पश्चिम बंगाल भी जीतेंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल मुख्यमंत्री राष्ट्रपति का भी सम्मान नहीं कर रही हैं। चुनाव आयोग का अनादर कर रही हैं। न्यायालय का अनादर कर रही हैं। यहां की व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। यह क्रान्तिकारियों की भूमि है। स्वामी विवेकानन्द, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की धरा है। इस समय पश्चिम बंगाल की दुर्दशा देखी नहीं जा रही है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लखनऊ में सभा करने की मिली सशर्त अनुमति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक स्थल लखनऊ में 11 मार्च को प्रस्तावित गौ माता प्रतिष्ठा संकल्प महासभा करने के लिए प्रशासन ने अनुमति दी है। इसके लिए प्रशासन ने 26 शर्तों व नियमों का पालन करना अनिवार्य कर दिया है। इनमें से एक भी नियम शर्त का उल्लंघन होने पर कार्यक्रम की अनुमति स्वतः निरस्त मानी जाएगी। इन शर्तों में भडकाऊ भाषण और हथियारों पर रोक सबसे महत्वपूर्ण है। शंकराचार्य नैमिषारण्य सीतापुर होते हुए आज देर शाम लखनऊ पहुंचेंगे। ज्योतिष पीठ के पीठाधीश्वर व जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने वाराणसी से शुरू की गई यात्रा को धर्मयुद्ध का नाम दिया है। यह यात्रा गौ माता को 'राष्ट्रमाता' या राज्यमाता' का दर्जा दिलाने, गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और गौ संरक्षण की मांग को लेकर निकली है। इन्हीं मांगों को पूरा करने के लिए शंकराचार्य ने पहले उत्तर प्रदेश सरकार को 40 दिनों का अल्टीमेटम दिया था। उनकी यात्रा 7 मार्च को काशी से शुरू हुई, जिसमें जौनपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई पहुंचे थे और नैमिषारण्य सीतापुर होते हुए आज देर शाम लखनऊ पहुंचेंगे। स्थानीय प्रशसन प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति देते हुए 16 सख्त नियम और शर्तें लगाई हैं, ताकि शांति, यातायात और कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इनमें शर्तों में मुख्य रूप से किसी भी धर्म, जाति, संप्रदाय या भाषा के खिलाफ भड़काऊ भाषण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और राजनीतिक या धार्मिक व्यक्तियों के खिलाफ विवाद फैलाने वाली टिप्पणियां नहीं की जाएगी। नाबालिग बच्चों से विवादित नारे नहीं लगवाए जाएंगे। वाहनों की सीमित संख्या में ही एंट्री होगी और पार्किंग से यातायात बाधित नहीं होगा। कार्यक्रम में केवल पारंपरिक ध्वज-दंड, कोई घातक वस्तु नहीं लाया जाएगा ओर ज्ञापन सक्षम अधिकारी को सौंपा जाएगा। कार्यक्रम में कोई अप्रिय स्थिति होने पर आयोजकों की पूरी जिम्मेदारी होगी और प्रशासन उन्हीं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा। इस आयोजन में पुलिस बल का खर्च आयोजकों द्वारा वहन किया जाएगा ओर शांत क्षेत्र में लाउडस्पीकर ढोल-नगाड़े या संगीत प्रतिबंधित रहेगा; यातायात, अग्निशमन नियमों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाएगा; ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 (धारा 3(1) और 4(1)) का सख्ती से अनुपालन, उल्लंघन पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 15 के तहत दंड की प्रक्रिया पूरी की जाएगी9 किसी भी शर्त के उल्लंघन पर अनुमति स्वतः निरस्त मानते हुए कार्रवाई शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती 10 मार्च लखनऊ पहुंचेंगे और 11 मार्च को यह महासभा होगी, जिसमें गौ रक्षा के संकल्प के साथ मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा यह आयोजन सनातन आस्था और गौ संरक्षण से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, लेकिन प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शर्तों का पालन न होने पर कार्यक्रम रद्द हो सकता है।

ध्यान करने से तनाव के हार्मोन कॉर्टिसोल होता है कम, लखनऊ विश्वविद्यालय में साप्ताहिक योग शिविर का हो रहा आयोजन

लखनऊ। ध्यान करने से मन की एकाग्रता बढ़ती, ध्यान का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह मन को शांत करता है और तनाव को काम करता है। आज के समय में काम का दबाव, पढ़ाई का तनाव और व्यक्तिगत समस्याएं व्यक्ति को मानसिक रूप से परेशान कर देती हैं, नियमित रूप से ध्यान करने से मन शांत होता है और नकारात्मक विचार धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिंस विभाग के आयोजित कार्यक्रम में योग विशेषज्ञ डॉ. अमरजीत यादव ने कहा। विश्वविद्यालय में इंडियन योग फ़ेडरेशन के तत्वाधान में योग सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। योग सप्ताह के दूसरे दिन विश्वविद्यालय के गौरव स्थल पर ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने ध्यान का अभ्यास किया। फैकल्टी ऑफ योग के कोआर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि कई वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि ध्यान करने से कॉर्टिसोल का स्तर कम हो जाता है जिससे व्यक्ति अधिक शांत और संतुलित महसूस करता है।

यूपी में योगी सरकार के कैबिनेट विस्तार की हलचल तेज, बंगाल चुनाव के बाद ही संभव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच फिलहाल इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियां तत्काल विस्तार के पक्ष में नजर नहीं आ रही हैं। ऐसा माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु सहित पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के बाद ही योगी सरकार मंत्रिमंडल विस्तार पर निर्णय ले सकती है। सूत्रों के मुताबिक इससे पहले बिहार में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया भी पूरी होनी है। इसके बाद ही उत्तर प्रदेश में टीम योगी में बदलाव या विस्तार की संभावना जताई जा रही है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और संगठन इन राजनीतिक गतिविधियों में व्यस्त है, इसलिए मंत्रिमंडल विस्तार कुछ समय के लिए टल सकता है। गौरतलब है कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से करीब छह महीने पहले 26 सितंबर 2021 को भी योगी सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार किया गया था। उस समय कुल सात मंत्रियों ने शपथ ली थी। इनमें जितिन प्रसाद को कैबिनेट मंत्री बनाया गया था, जबकि पलटू राम, संजय कुमार गोंड, संगीता बलवंत बिंद, धर्मवीर प्रजापति, दिनेश खटीक और छत्रपाल सिंह गंगवार को राज्य मंत्री बनाया गया था। वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में कुल 53 मंत्री शपथ ले चुके हैं। इनमें से कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद अब केंद्र सरकार में मंत्री बन चुके हैं, जबकि राज्य मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि लोकसभा सदस्य बन गए हैं। इस कारण मंत्रिमंडल में दो पद खाली हो गए हैं। विधायकों की संख्या के आधार पर उत्तर प्रदेश में अधिकतम 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में अभी भी मंत्रिमंडल में नौ पद रिक्त हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी चुनावी समीकरणों को ध्यान में रखते हुए भाजपा नेतृत्व इन पदों को भरने पर फैसला करेगा। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि मंत्रिमंडल का विस्तार बंगाल चुनाव के बाद ही होने की संभावना है। केंद्रीय नेतृत्व की व्यस्तता के चलते फिलहाल ऐसी स्थितियां बनती नहीं दिख रही हैं। हालाकि पार्टी के कार्यकर्ताओं की नजर मंत्रिमंडल विस्तार पर लंबे समय से टिकी हुई है।

भारतीय कंपनियों को विस्तार करने में सक्षम बनायेगा इंडिया ग्रोथ समिट

लखनऊ। वॉलमार्ट ने इंडिया ग्रोथ समिट 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। यह सम्मेलन भारतीय कंपनियों को घरेलू एवं वैश्विक स्तर पर विस्तार करने में सक्षम बनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। 7 मई, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में सम्मेलन के दूसरे संस्करण का आयोजन होगा, जिसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स, डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डी2सी) सेलर्स और इनोवेटिव सप्लाई चेन कंपनियां एक मंच पर आएंगी और वॉलमार्ट के साथ मिलकर वैश्विक व्यापार में अपने लिए नए अवसर तलाशेंगी। वॉलमार्ट मार्केटप्लेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मनीष जोनेजा ने कहा, 'वॉलमार्ट में हम कंपनियों को वैश्विक स्तर पर विकास करने में मदद देने के लिए उत्साहित हैं। इंडिया ग्रोथ समिट 2026 से इनोवेशन और सप्लायर्स एवं सेलर्स को वैश्विक बाजार में बढ़ने में मदद को लेकर हमारी प्रतिबद्धता दिखती है। हम कारोबार बढ़ाने और वैश्विक ग्राहकों तक पहुंचने के सफर में भारतीय उद्यमियों के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।'

परमिट व टैक्स का झंझट नहीं, ग्राम परिवहन योजना में अनुबंधित बसें: दयाशंकर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- अब यूपी के हर गांव तक पहुंचेगी बस
- मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 को कैबिनेट की मंजूरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में कैबिनेट बैठक हुई।मीडिया से मुखातिब वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में 31 प्रस्ताव आए, जिसमें से 30 प्रस्तावों पर कैबिनेट ने स्वीकृति दी। योगी सरकार ने ग्रामीणों के हित को ध्यान में रखते हुए बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026' को स्वीकृति दी। इस योजना के माध्यम से अब उत्तर प्रदेश के हर गांव तक बस पहुंचेगी।पत्रकार वार्ता में मौजूद परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026 के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी तक 12,200 गांवों तक बसें नहीं पहुंच रही थीं, लेकिन नई पॉलिसी के तहत यूपी की सभी 59,163 ग्राम सभाओं तक बसें पहुंचेंगी। इन बसों को परमिट व टैक्स से मुक्त रखा गया है। इससे प्रदेश की बड़ी ग्रामीण आबादी लाभान्वित होगी। ये बसें चलाने की अनुमति निजी लोगों को मिलेगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी गठित होगी, जिसमें सीडीओ, एसपी, एआरटीओ, एआरएम सदस्य होंगे। ये बसें रात में गांव में ही रुकेंगी। सुबह ब्लॉक व तहसील होते हुए ये बसें सुबह 10 बजे तक जनपद मुख्यालय तक पहुंचेंगी। इस सेवा का लाभ विद्यार्थियों के अलावा कचहरी, ऑफिस या अपना उत्पाद शहर में बेचने जाने वाले लोगों को भी मिलेगा। कई गांवों में ऐसी सड़कें हैं, जहां बड़ी बसें टर्न होने में परेशानी होती है। 12,200 में से 5000 ऐसे गांव हैं, जहां बड़ी बसें टर्न नहीं हो सकतीं। इसलिए ये छोटी बसें होंगी, जिनकी अधिकतम लंबाई सात मीटर और अधिकतम सीट क्षमता 28 होगी। सुबह 10 से शाम चार बजे तक इन बसों को डायवर्ट करेंगे। इसके बाद ये बसें दूरी के हिसाब से अधिकतम शाम 8 बजे तक गांव में पहुंच जाएंगी। इन बसों के ड्राइवर, कंडक्टर व क्लीनर आसपास गांव के लोग ही होंगे, जिससे रात में गांव में रुकने और सुबह आने में उन्हें परेशानी नहीं होगी। इन बसों की औसत आयु 15 वर्ष रहेगी, लेकिन पहले 10 साल के लिए इन्हें परिचालन की इजाजत दी जाएगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी स्थानीय स्तर पर किराया निर्धारण करेगी। इसका टिकट भी सस्ता रहेगा। इन्हें परमिट व टैक्स की आवश्यक्ता नहीं होगी। इससे बस चलाने वालों को लाभ होगा। सरकार का उद्देश्य आमजन को बेहतर सुविधा मुहैया कराना है। इस योजना के तहत प्रत्येक आवेदक जिस ब्लॉक के लिए उसने आवेदन किया है,को समस्त ग्राम पंचायत,रूट पर अपने विवेकानुसार वाहन संचालन करने तथा फ़ेरों की संख्या का अधिकार होगा। बस संचालक ब्लॉक की प्रत्येक ग्राम पंचायत को प्रतिदिन कम से कम दो बार वाहन की सेवा प्रदान करेगा। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए आवेदन की स्क्रीनिंग 15 दिन में हो जाएगी। आवेदक के सफल चयन के बाद वाहन उपलब्ध कराने के लिए 15 दिन होंगे तथा निर्धारित प्रक्रिया को 45 दिनों में पूर्ण कर लिया जाएगा। प्राप्त आवेदनों का परीक्षण एवं सफल आवेदन का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति करेगी। उक्त कमेटी द्वारा सेवा प्रदाताओं का चयन करते हुए मार्ग निर्धारण को अंतिम रूप दिया जाएगा। उक्त योजना के क्रियान्वयन एवं निगरानी का दायित्व सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रबन्धकों का होगा, जो नियमित रूप से न्यूनतम मासिक आयुक्त को कार्य प्रगति से अवगत कराएंगे।

यूपी में अब ओला, उबर को भी कराना होगा पंजीकरण

लखनऊ। योगी सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा व सुविधा को देखते हुए परिवहन से जुड़ा बड़ा फैसला लिया है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि यूपी में अब ओला व उबर को भी पंजीकरण कराना होगा। परिवहन मंत्री ने मोटर व्हीकल एक्ट 1988 की धारा 93 का जिक्र किया और बताया कि भारत सरकार ने 1 जुलाई 2025 को नियमावली में संशोधन किया है। भारत सरकार के नियम को उत्तर प्रदेश भी अपनाएगा। ओला-उबर पर पहले नियंत्रण नहीं था, लेकिन अब इन्हें भी पंजीकरण कराना पड़ेगा। आवेदन, लाइसेंस और रिन्युअल शुल्क भी देना होगा। कौन गाड़ी चला रहा है, यह अभी तक हम नहीं जान पाते थे। इनका ड्राइवर का मेडिकल, पुलिस वेरिफिकेशन तथा फिटनेस टेस्ट आदि भी कराएंगे। अब यूपी में बिना पंजीकरण शुल्क, फिटनेस, मेडिकल टेस्ट, पुलिस वेरिफिकेशन के गाड़ी नहीं चला पाएंगे। अधिसूचना जारी होने के बाद यह लागू हो जाएगी। आवेदन की फीस 25 हजार रुपये होगी, जबकि 50-100 या इससे अधिक गाड़ी चलाने वाली कंपनी की लाइसेंसिंग फीस पांच लाख रुपये होगी। रिन्युअल हर पांच साल पर होता रहेगा। रिन्युअल के लिए पांच हजार रुपये देना होगा। ऐसा ऐप विकसित करेंगे, जिससे जानकारी पब्लिक डोमेन में रहे। इसके तहत ड्राइवर आदि की जानकारी भी प्राप्त होगी।

किसान बर्बादी के कगार पर भाजपा सरकार पूरी तरह लापरवाह होकर बैठी है: अखिलेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाजार में आलू के गिरते दाम को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आलू के दाम गिरने से किसान बर्बादी के कगार पर पहुंच गए हैं, लेकिन किसान और खेती विरोधी भाजपा सरकार पूरी तरह लापरवाह होकर बैठी है और किसानों की मांगों की अनदेखी कर रही है। यादव ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, भाजपा को सिर्फ अपनी राजनीतिक सत्ता से मतलब है। भाजपा के नेता चुनाव प्रचार के लिए तो उपलब्ध रहते हैं, लेकिन किसानों की परेशानी और दिक्कतों के लिए उनके पास समय नहीं है।श उन्होंने आरोप लगाया, श भाजपा का पूरा खेल ही यही है कि पैदावार के दाम इतने कम करवा दो कि किसानों की लागत तक न निकले। वो थक-हार कर खेतीबाड़ी का काम ही छोड़ दें और अपनी जमीनें भाजपा के समर्थक अमीरों को कौड़ियों के दाम बेचने पर मजबूर हो जाएं। फिर ये भाजपाई पैसेवाले, किसान को उसके अपने खेत में ही मालिक से मजदूर बना दें।

सपा अध्यक्ष ने कहा भाजपाइयों की साजशि ही ये है कि वो किसानों की जमीन हड़प कर बड़े स्तर पर खेती करके खाद्यान्न और फसलों की पैदावार को अपने हाथों में ले लें और फिर मनमानी कीमत जनता से वसूलें। इसीलिए भाजपा कभी भू-अधिग्रहण बिल लाती है, कभी तीन कृषि काले कघनून या फिर भारत की खेती-कारोबार के लिए प्राणघातक अमेरिकी डील करती है। अखिलेश यादव ने कहा, यही हाल रहा तो वो दिन दूर नहीं जब कि आज के खेत का मालिक किसान, कल को अपने ही खेत की पैदावार को खरीदने पर मजबूर हो जाएगा। भाजपा दल नहीं दलाल है।

विधायक ने नवनिर्मित पक्के पुल के नामकरण को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा मांग पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। अमर ज्योति सेवा संस्थान ग्राम अर्जुनपुर-बड़ागांव के पास रामगंगा नदी पर नवनिर्मित पक्के पुल के नामकरण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मांग पत्र भेजा है। सवायजपुर विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह 'रानू' के माध्यम से प्रेषित इस पत्र में क्षेत्र की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए पुल का नाम महापुरुषों के नाम पर रखने का सुझाव दिया गया है। संस्थान के महासचिव प्रमोद कुमार तिवारी ने बताया कि इस महत्वपूर्ण सेतु के लिए तीन विकल्प दिए गए हैं- श्विवेकानंद सेतु, श्सुभाष सेतुश् अथवा पूर्व प्रधानमंत्री 'अटल सेतु'। पत्र में कहा गया है कि इन महान विभूतियों के नाम से पुल की पहचान होने पर समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा।

इस अवसर पर मुन्नू लाल पांडेय, राम प्रताप पांडेय, अखिलेश दीक्षित और अरविंद मिश्रा आदि मौजूद रहे।।

रोजगार सेवकों, कंप्यूटर ऑपरेटरों और तकनीकी सहायकों ने ज्ञापन सौपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। मनरेगा कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। मंगलवार को मनरेगा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले बड़ी संख्या में रोजगार सेवकों, कंप्यूटर ऑपरेटरों और तकनीकी सहायकों ने सवायजपुर स्थित आवास पर विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह 'रानू' से मुलाकात की और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

कर्मचारियों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि दीपावली बीत गई और अब होली भी आ गई, लेकिन उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं मिला। लंबे समय से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारियों के सामने परिवार के भरण-पोषण का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने कहा कि एक ओर सरकार सर्वाधिक मानव दिवस सृजित करने का गौरव गान कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर पसीना बहाने वाला कर्मचारी आर्थिक शोषण का शिकार है। कर्मचारियों ने विधायक से अधिकारियों से वार्ता कर जल्द भुगतान करवाने का आग्रह किया है। इस दौरान अनिल द्विवेदी, आशीष मिश्रा, शम्मी कपूर, अरविंद कुमार, अमित कुमार, अजय सिंह, मनमोहन सिंह, पंकज कुमार और संजय दीक्षित समेत दर्जनों कर्मचारी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। क्षेत्र के ग्राम बेड़ीजोर स्थित

ठाकुर जी ट्रेडर्स में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जैसे ही कथा व्यास राधावल्लभ मिश्र ने कान्हा के प्राकट्य का प्रसंग सुनाया, पूरा पाण्डाल श्जय कन्हैया लाल कीश् के जयकारों से गूंज उठा।

कथा व्यास ने भगवान के अवतार की महिमा बताते हुए कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब ईश्वर धरा पर अवतरित होते हैं। उन्होंने कंस के कारागार में देवकी-वसुदेव के समक्ष प्रभु के प्राकट्य और गोकुल ले जाने के प्रसंग का सजीव वर्णन किया। इससे पूर्व तृतीय दिवस की कथा में उन्होंने भक्त प्रह्लाद के चरित्र और नृसिंह अवतार के माध्यम से भक्ति की शक्ति को रेखांकित किया। व्यास जी ने कपिल-देवहूति संवाद के जरिए युवाओं को संस्कारवान बनने और माता-पिता की सेवा का संकल्प भी दिलाया। इस आध्यात्मिक अवसर पर धैर्य प्रताप सिंह 'मोनू', अभिषेक प्रताप सिंह, देवेंद्र सिंह तोमर, शौर्य प्रताप सिंह, हरिपाल सिंह और रामवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। आरती के बाद सभी भक्तों को माखन-मिश्री का विशेष प्रसाद वितरित किया गया।

अज्ञात चोरों ने दुकान से हजारों का सामान किया पार

हरपालपुर (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम श्यामपुर पंज निवासी उदयचन्द्र की दुकान से अज्ञात चोरों ने हजारों रुपये का कीमती सामान पार कर दिया। पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसारएश्यामपुर पंजा निवासी उदयचन्द्र पुत्र गंगाधर की चाऊपुर मढैया के पास वेल्डिंग और लोहे के काम की दुकान है। पीड़ित के अनुसारए वह 8 मार्च को दुकान बंद कर अपनी रिश्तेदारी में गए थे। 10 मार्च की सुबह जब वह वापस लौटेए तो देखा कि चोरों ने दुकान के पीछे से घुसकर हाथ साफकर दिया है। चोर दुकान से हैमर मशीनए ड्रिल मशीनए ग्राइंडरए करीब 10 किलो के लोहे के बाटए हथौड़ेए स्टील पाइप और लोहे के एंगल सहित लगभग 60 हजार रुपये का सामान समेट ले गए। पीड़ित ने बताया कि इससे पहले भी उनके यहाँ से मोटर और नल चोरी हो चुका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आरिफ मंसूरी बने भारतीय किसान यूनियन हिन्दुस्तान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। भारतीय किसान यूनियन हिन्दुस्तान के राष्ट्रीय

अध्यक्ष सलमान ने संयुक्त कमेटी में प्रस्तावित प्रकिया पर संयुक्त कमेटी की सहमती से आरिफ मंसूरी के नाम पर मुहर लगाकर इसकी अधिकारिक घोषणा की है आरिफ मंसूरी हरदोई जिले के मूल निवासी हैं। आरिफ मंसूरी बचपन से ही समाजिक सेवा में समर्पित रहै है कई संगठनों में राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कार्य करते चले आ रहै हैं मौजूदा समय में भी आखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता परिषद एवं संयुक्त मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सेवक गुप के द्वारा दिए गए दायित्व राष्ट्रीय संगठन मंत्री के पद पर विराजमान हैं आखिल भारतीय किसान यूनियन हिन्दुस्तान के सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने फूल मालाओं से स्वागत कर बधाई दीआरिफ मंसूरी ने कहा मुझे खुशी हैं की मुझे किसानों के हित के लिए कार्य करने का सौभाग्य मिला मैं इसके लिए भारतीय किसान यूनियन हिन्दुस्तान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सलमान का व राष्ट्रीय कमेटी हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं व संगठन के द्वारा दिए गए दायित्व का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करूंगा किसानों हक अधिकारों की लड़ाई को संवैधानिक तौर पर लड़ने का काम करूंगा।

दो भाइयों का हत्यारा गिरफ्तार किया गया, फरारी के कारण घोषित था 50 हजार का इनाम

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मोहल्ला खेड़ा अजमत मे तेरह साल से फरार चल रहे पचास हजार हत्या आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई है जिसके ऊपर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। गिरफ्तार किया गया हत्यारा दो भाइयों दो सगे भाइयों की हत्या में नामजद था। हत्यारोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने राहत के सांस ली है। हत्यारोपी के पास से पुलिस ने एक मोबाइल और कुछ नकदी बरामद की है। कस्बे के मोहल्ला खेड़ा अजमत में पुरानी पारिवारिक रंजिश के चलते 2008 मे मुन्ना सिंह की हत्या कर दी गई थी जिसमें विपिन पुत्र विनोद कुमार सिंह उसका भाई अतुल सिंह और विकास को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। घटना के दो वर्ष बाद न्यायालय में पुलिस की पैरवी पर आरोपियों को सजा हुई थी। सजा के आठ माह बाद विपिन अपील पर जेल से छूटकर घर आया था। इसी पारिवारिक रंजिश मे विपिन ने मुन्ना सिंह के भाई सुनील उर्फ गुड्डू सिंह की 2013 में हत्या कर दी और फरार हो गया तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस ने फरार विपिन पर पचास हजार रूपए का इनाम घोषित कर रखा था। अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण ने बताया फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी अशोक कुमार मीणा द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली शाहाबाद पुलिस और एसटीएफ फरार हत्यारोपी विपिन को तलाश रही थी और उसकी लोकेशन भी ट्रेस कर रही थी। सोमवार को सुबह एसटीएफऔर कोतवाली पुलिस ने रिश्तेदारों से मिलने पहुंचे इनामी हत्या आरोपी विपिन को गिरफ्तार कर लिया है। विपिन के पास से पुलिस को एक मोबाइल फोन और कुछ नगदी बरामद हुई है। गिरफ्तार हत्यारोपी ने बताया है वह छिपकर विभिन्न प्रांतो मे रह रहा था। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

भट्ठा स्वामी ने मजदूर को घर से उठवाया, काम न करने पर जान माल की धमकी

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली के कठवां गांव के रहने वाले मजदूर को एक भट्ठा स्वामी ने अपने गुर्गों से घर से उठवा लिया और पसलियां टूटी होने के बाद भी काम करने का दबाव बनाया। काम न करने पर जान से मारने की धमकी दी है। कठवां निवासी इशरत पुत्र जाकिर के अनुसार वह टुमुरकी थाना मंझिला स्थिति बेचे नेता के ईट भट्टे पर मजदूरी करता है। इशरत के अनुसार काम करते वक्त उसके चोट लग गई और उसकी दो पसलियां टूट गई जिससे वह काम करने में असमर्थ हो गया। 9 मार्च को भट्ठा स्वामी के पुत्र शेखावत ने उसे घर से जबरदस्ती उठवा लिया, और काम करने के लिए दबाव बनाते हुए कहा कि उसके यहां ही उसे काम करना पड़ेगा वरना जान से मार डालेगा। इशरत का कहना है उसने तबीयत ठीक होने के बाद काम करने के लिए कहा लेकिन दबंग भट्ठा स्वामी गाली गलौज कर जान माल की धमकियां दे रहा। मंगलवार को सुबह 10:00 बजे भट्ठा स्वामी शेखावत के कुछ लोग पकड़ने के लिए उसके घर पर आए परंतु वह घर पर मौजूद नहीं था। कोतवाली में प्रार्थना पत्र देखकर इशरत में भट्ठा स्वामी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

श्री रामलीला मैदान में हुआ दंगल प्रतियोगिता

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। शहर के ऐतिहासिक श्री रामलीला मैदान में आयोजित दंगल प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों और राज्यों से आए पहलवानों ने अपनी ताकत और दांव-पेच का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। प्रतियोगिता को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मैदान में मौजूद रहे। दंगल के प्रमुख मुकाबले में बाबा लक्ष्मण दास (अयोध्या) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विक्रम पहलवान (उत्तराखंड) को पराजित कर जीत हासिल की। वहीं दूसरे मुकाबले में राजा (मेरठ) और भूकंप सिंह (काशीपुर) के बीच जोरदार भिड़ंत हुईए लेकिन दोनों पहलवानों के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

इसी क्रम में विवेक ;सोनीपतद्ध और नीरज (बांदा) के बीच भी कड़ा मुकाबला हुआए जो अंततः बराबरी पर छूटा। स्टील बॉडी (हरिद्वार) ने बेहतरीन दांव लगाते हुए गला चौधरी ( )काशीपुरद्ध को हराकर जीत दर्ज की। एक अन्य मुकाबले में चंद्रसेन कला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंदी पप्पू (मुरादाबाद) को पराजित कर विजय प्राप्त की। भानु (बरेली) और शाहिद (हरियाणा) के बीच भी रोमांचक मुकाबला हुआ, जो बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं भूरे (नाथूनीपुर) ने अपने प्रतिद्वंदी विकास (मुरादाबाद) को हराकर कुश्ती जीत ली। राधे (उन्नाव) और शमशाद (कानपुर) के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा। इसी प्रकार काली (सहारनपुर) और गला चौधरी (काशीपुर) का मुकाबला भी बराबरी पर छूटा। दंगल प्रतियोगिता के आयोजक राम प्रकाश शुक्ला ने बताया कि ऐसे आयोजनों से पारंपरिक कुश्ती को बढ़ावा मिलता है और युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ती है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे और पहलवानों का उत्साहवर्धन करते नजर आए।

नुक्कड़ नाटक द्वारा आयोजित स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम 'स्वच्छ समाज.स्वस्थ समाज के संकल्प के साथ संतूर की अनूठी पहल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने और समाज को स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से देश की प्रसिद्ध साबुन कम्पनी संतूर द्वारा सोमवार को कस्बे में स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया! इस अभियान के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई! शरीर व कपड़ों के साथ-साथ आसपास के सार्वजनिक वातावरण को भी स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया!

अभियान के दौरान कम्पनी के एसओ सूरज तिवारी कहा स्वच्छता केवल व्यक्तिगत आदत नहीं बल्कि पूरे समाज की नैतिक जिम्मेदारी है जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता के प्रति जागरूक नहीं होगा तब तक स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव नहीं है! उन्होंने कहा कि गंदगी के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां पनपती हैं इसलिए साफ-सफाई रखना बेहद जरूरी है! अभियान में महिलाओं की अहम भूमिका है! इस अवसर पर लोगों को इधर-उधर कूड़ा कचरा न फेंकने और प्लास्टिक को कम से कम उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया! कम्पनी के एसएसएम अटल बिहारी सिंह ने देश में सबसे ज्यादा बिकने वाले संतूर साबुन कम गले ज्यादा चले की विशेषता को बताते हुए आगे कहा कि कहा कि स्वच्छ वातावरण केवल स्वास्थ्य के लिए ही लाभदायक नहीं होता है बल्कि पूरे समाज में इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है! कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने स्वच्छता बनाए रखने तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया! कार्यक्रम की सराहना करते हुए लोगों ने कहा कि इस तरीके के कार्यक्रम लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करते हैं और सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं! कार्यक्रम आयोजकों ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम गांव गली शहर मोहल्लों में व्यापक रूप से चलाया जा रहा है और भविष्य में चलता रहेगा ताकि अधिक से अधिक लोग इस मुहिम से जुड़ सकें! साथ ही स्वच्छ समाज और स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें!

दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, सड़क जाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कोथावाँ (हरदोई)। कोतवाली बेनीगंज क्षेत्र के पिपरी गांव से बेनीगंज आ रहे युवक की टैक्टर से टक्कर लगने के बाद गंभीर रूप से घायल को इलाज के दौरान मौत हो गई। बताते चलें कि प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के पिपरी गांव निवासी छोटे पुत्र स्वर्गीय सुक्खा ने बताया कि उनका लड़का मोहित बीते शनिवार को गांव से राधाकृष्ण मैरिज लान बेनीगंज आ रहा था कि रास्ते में रामपाल कारखाना के पास सामने से आ रहे आयसर ट्रैक्टर चालक भन्नू पुत्र सुन्दरलाल पासी ने ट्रैक्टर को लापरवाही से चलाते हुए मोहित की मोटरसाइकिल मे जोरदार टक्कर मार दी जिससे मोहित गंभीर रूप से घायल हो गया, घटनास्थल पर उपस्थित लोगों ने मोहित को एम्बुलेंस से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोथावां ले गए जहाँ डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए मोहित को जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान मोहित की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। आज मंगलवार की सुबह ०9:30 बजे के आसपास परिजनों के द्वारा बेनीगंज के दुर्घटना मोड पर मृतक शरीर को रखकर रोड जामकर प्रदर्शन कर रहे थे पुलिस क्षेत्राधिकारी हरियावाँ अजीत सिंह चौहान द्वारा काफी समझाया बुझाया गया जिसके बाद मृतक के परिजनों द्वारा जाम खोला गया।

कार्यालय अधिशासी अधिकारी आदर्श नगर पंचायत कछौना पतसेनी, जनपद हरदोई

पत्र सं0:-363/न0पं0कछौना/रा0वि0आ0/ई0-निविदा/2025-26,　　दिनाँक:-10.03.2026

ई-निविदा सूचना

"राज्य वित्त आयोग" के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत कछौना पतसेनी जनपद हरदोई के अन्तर्गत पंजीकृत/अधिकृत फर्मो/ठेकेदारों/नगर विकास द्वारा निर्गत नवीनतम शासनादेशों के अन्तर्गत समस्त फर्मो/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि निम्न विवरण के अनुसार समस्त कार्य हेतु निविदा आमन्त्रित की जाती है जोकि ई-निविदा की बेबसाईट www.etender.up.nic.in पर दिनाँक- 11.03.2026 को सायं 05:00 बजे से 09.04.2026 को सायं 05:00 बजे तक उपलब्ध है जोकि बेबसाइट से डाउनलोड व अपलोड किये जा सकते है तथा समस्त प्रपत्र दिनाँक-10.04.2026 को कार्यालय नगर पंचायत में 01:00 बजे तक जमा किये जायेगें। निविदायें अपरान्ह 04:00 बजे नगर पंचायत कछौना पतसेनी, जनपद हरदोई के कार्यालय में निविदादाता की उपस्थिति में खोली जायेगी। धरोहर धनराशि एवं ई-निविदा मूल्य नगर पंचायत कछौना पतसेनी में एन0एस0सी0/ट्रेजरी चालान/एफ0डी0आर0/नगर पंचायत के भारतीय स्टेट बैंक में खुले खाता सं0-**40195550510 IFSC CODE-SBIN0011823** शाखा-बालामऊ में जमा कर रसीद ई-निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। ई-निविदा की समस्त नियम व शर्ते **www.etender.up.nic.in** पर अपलोड कर देखी जा सकती है। ई-निविदा की समस्त कार्यवाही **www.etender.up.nic.in** पर की जायेगी।

कं0 सं0	नगर पंचायत कछौना पतसेनी/ANM Stage	Vendor Stage	प्रारम्भ तिथि व समय	अन्तिम तिथि व समय
1.	Tender Release	-	11.03.2026, 05PM	
2.		Tender Download	11.03.2026, 05PM	09.04.2026, 05 PM
3.		Bid Submission	11.03.2026, 05PM	09.04.2026, 05 PM
4.	Close for Bid		09.04.2026, 05PM	
5.	Technical Bid Opening		10.04.2026, 04PM	
6.	Finence Bid Opening		After Approval of Techincal Bid	

नोट- अन्य शर्ते कार्य विवरण ई-निविदा वेबसाइड **https://etender.up.nic.in** पर देखी जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कछौना पतसेनी
जनपद-हरदोई

अध्यक्ष
नगर पंचायत कछौना पतसेनी
जनपद-हरदोई

कार्यालय ग्राम पंचायत-ऐंनुआ दानमंडी , विकास खण्ड-अहिरोरी, जनपद-हरदोई

पत्रांक- मेमो/राज्य वित/केन्द्रीय वित्त/2025-26　　दिनाँक-10.03.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत-ऐंनुआ दानमंडी, विकास खण्ड-अहिरोरी, जनपद- हरदोई द्वारा राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त से कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्यो की सामग्री (सीमेण्ट, मौरंग, बालू, पत्थर गिट्टी, रोड़ा, टायल्स आदि) आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनाँक-11.03.2026 से 17.03.2026 को 03:00 बजे तक प्राप्त कर जमा कर सकते है। प्राप्त निविदाएं दिनाँक-17.03.2026 को समिति द्वारा सायं 04:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	आंगनवाड़ी भवन व किचन मरम्मत कार्य ऐंनुआ दानमंडी।	640453.00
2	आंगनवाड़ी भवन व किचन मरम्मत कार्य ऐंनुआ दान मंडी।	650908.00

नोट- नियम व शर्ते निम्नवत् है-

1- निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त हुयी किसी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
2- निविदा फार्म पर किसी प्रकार की कटिंग मान्य नही होगी।
3- बिना बताये किसी निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4- निविदा फार्म पर उल्लेखित साफ शब्दों में अंकित करें।
5- धन की उपलब्धता पर कार्य कराया जायेगा।
6- कार्यो की कटौती प्रावधान/ लागू दरों की कटौती नियमानुसार की जायेगी।
7- प्राविधारित कार्यो / सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई/बढ़ाई जा सकती है।
8- समस्त सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल पर की जाएगी।

(अंकुर पाल)
प्रधान
ग्राम पंचायत-ऐंनुआ दानमंडी,
विकास खण्ड- अहिरोरी, हरदोई

(अजय कुमार वर्मा)
सचिव
ग्राम पंचायत-ऐंनुआ दानमंडी,
विकास खण्ड- अहिरोरी, हरदोई

जोखिम भी कम नहीं करिश्माई तकनीक के

एशिया की नजर से देखें, तो इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को भारत इसलिए उपलब्धि मान सकता है कि एक उभरती हुई तकनीक में वैश्विक सम्मेलन का आयोजन करते हुए देश ने समय के साथ तेज कदमताल करने का साहस दिखाया। एक ऐसे समय में, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रौद्योगिकी पर यह तोहमत है कि वो दुनिया भर की नौकरियों के लिए काल बन रही हैं और नैतिकता के प्रश्न इस तकनीक से संबंधित सवालों के शीर्ष पर हैं। इस सम्मेलन के आयोजन को तकनीक से बाहर के कई सवालों पर विचार-मंथन का मंच कहा जा सकता है। यह बात दीगर है कि कई सवालों के जवाब अभी नहीं मिले। ऐसा हो भी नहीं सकता, क्योंकि यह तकनीक और इससे जुड़ी सुविधाएं-दुविधाएं नयी हैं। धीरे-धीरे ही इससे जुड़े कई मसलों का हल सामने आएगा। जहां तक इस सम्मेलन की सफलता का सवाल है, तो इसके दो स्पष्ट छोर दिखे। एक छोर पर उत्साह और जिज्ञासा थी। दावा है कि अमेरिका के बाद भारत का एआई उपभोक्ता वर्ग सबसे बड़ा है। इसकी झलक सम्मेलन के पंडाल के अंदर-बाहर मौजूद भीड़ के रूप में मिली। जो संकेत थी कि भारत में कितने अधिक लोग एआई के बारे में जानने-समझने और इसे आजमाने के लिए उत्सुक हैं। दूसरे छोर पर गड़बड़ियां दिखीं। पहली गड़बड़ी वीआईपी हस्तियों के आवागमन के दौरान सम्मेलन में हिस्सा लेने आए लोगों, जानकारों और तकनीक के प्रदर्शकों को ही हॉल से बाहर करने से संबंधित थी। इस समस्या से पार पाया गया, तो एक निजी विश्वविद्यालय के चीन-निर्मित एआई रोबोट को अपना आविष्कार बताने के दावे ने जगहंसाई करा दी। हालांकि एक वैश्विक आयोजन में ऐसी समस्याएं पैदा होना स्वाभाविक है। इन घटनाओं से सबक लेकर दूसरे ऐसे आयोजनों में सावधानियां बरती जा सकती हैं। लेकिन प्रमुख सवाल है कि क्या इसके बावजूद सम्मेलन को सफल माना जा सकता है? एआई में देश के रूप में भारत कई उम्मीदें जगाता है। विशाल युवा आबादी वाले वर्ग की इसमें बड़ी भूमिका है। क्योंकि इस आबादी में बहुत बड़ा हिस्सा उनका है, जो तकनीक के मामले में शिक्षित हैं और सूचना-प्रौद्योगिकी क्षेत्र के वैश्विक मंच पर उल्लेखनीय दखल रखते हैं। सत्या नडेला से लेकर सुंदर पिचाई तक भारतीय युवा पेशेवरों की लंबी लिस्ट है जो साबित करती है कि कंप्यूटर-आईटी के मामले में हमारी प्रतिभाओं का कोई सानी नहीं। आईटी के बाद इंटरनेट की दुनिया में जब से एआई की चर्चा चली है, यह दावा भी किया जाने लगा था कि इसमें भी भारतीय पेशेवर आगे रहेंगे। हालांकि एआई का यह नया दौर अभी शैशवावस्था में है, अभी यह कहना प्रासंगिक नहीं होगा। वजह यह कि अपने नए रूप-रंग में आते ही एआई को तकरीबन हर दूसरे क्षेत्र (सेक्टर) की नौकरियों का काल माना जाने लगा है। दूसरी समस्या है कि अभी एनवीडिया और ओपनएआई समेत जो एआई कंपनियां धाक जमा पाई हैं, उनमें से ज्यादातर अमेरिकी हैं। या फिर डीपसीक जैसी पहलकदमियों के बल पर चीन बड़ा मैदान मारने की कोशिश में है। मामला असल में इनोवेशन का है, जिसमें भारत को दांव आजमाना चाहिए। लेकिन इस मोर्चे पर अभी हमारा देश कुछ ठोस खोजने में कामयाब नहीं रहा। शायद यही वजह कि इस शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में भारत ने एआई के प्रति अमेरिका की उदासीन नीतियों का आसानी से समर्थन कर दिया। इसकी वजह यही समझ में आती है कि जिन लोगों, संस्थाओं और संगठनों के कंधों पर देश में एआई से संबंधित नवाचार करने की जिम्मेदारी है, उनके पास कुछ नया कहने-सुनने व करने को नहीं है। अभी कोई स्वदेशी कंपनी चौटजीपीटी से आगे की एआई तकनीक का कोई मॉडल नहीं सुझा पाई। इसके बरक्स भारत की सर्वम एआई के चौटजीपीटी सरीखे विकल्प एआई चौट ऐप 'इंडस' को रखें, उसका नाम बहुतेरे लोगों ने नहीं सुना। भारत ने सर्वम के अलावा दो अन्य एआई मॉडल भी दुनिया के सामने रखे-ज्ञानी और भारतजेन। लेकिन ये दोनों मॉडल अभी आमजन के लिए अपरिचित हैं। यह सब तब है, जब भारत एआई को सबसे ज्यादा डेटा मुहैया कराता है। यहां डेटा सेंटरों की क्षमता तेजी से बढ़ रही है। इसलिए एआई के इस दौर में ज्यादा जरूरत नई जमीनें तोड़ने की है, ताकि इसकी शक्ति का सही और सतर्क इस्तेमाल किया जा सके। ध्यान रखना होगा कि एआई सिर्फ सॉफ्टवेयर का विषय नहीं है। इसमें सेमीकंडक्टर और इस तकनीक को संचालित करने वाले ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की बड़े पैमाने पर जरूरत होती है। इन दोनों ही क्षेत्रों में फिलहाल ताइवान और अमेरिकी कंपनियों को काफी ज्यादा बढ़त हासिल है। देश में सेमीकंडक्टर निर्माण की प्रक्रिया तो शुरू हो चुकी है और विक्रम नाम से देश की पहली सेमीकंडक्टर चिप बनाई है, लेकिन जीपीयू के मामले में अमेरिका की एनवीडिया का विकल्प पैदा करना आसान नहीं। एक और अहम चुनौती एआई के नैतिक इस्तेमाल और सुरक्षा मानकों की है। भारत की एक इमेज साइबर फ्रॉड मामलों में शीर्ष देश की भी है, तो देश में एआई के इस्तेमाल के रूप पर चिंताजनक परिदृश्य सामने आता है। एआई के नैतिक इस्तेमाल का दायरा शिक्षा से लेकर शोध क्षेत्र तक फैला है। इसलिए एआई पर कोई महासम्मेलन आयोजित करने के साथ-साथ इसका बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने, नवाचार की गुंजाइशें पैदा करने और पश्चिमी देशों की नीतियों का आंख मूंदकर समर्थन करने की जगह यह देखने की कोशिश हो कि कैसे हम इससे देश में ज्यादा से ज्यादा रोजगार पैदा कर सकें। यह समझना होगा कि पश्चिम में एआई को बढ़ावा देने की वजह वहां काम करने योग्य आबादी की नगण्य उपस्थिति है। लेकिन भारत तथा अन्य एशियाई देशों में समस्या कामकाजी-युवा आबादी को रोजगार मुहैया कराने की है। इसलिए एआई का एक भारतीय मॉडल तैयार करना होगा, जो हमारी प्रतिभावान युवा आबादी की अपेक्षाओं-आकांक्षाओं के अनुरूप हो। हालांकि इसका अर्थ एआई का बहिष्कार करना नहीं। भारत में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन का तात्कालिक संदर्भ भारत के लिए कुछ गंभीर चुनौतियां लेकर आया है। मसलन, कैसे हम ऐसी तकनीक को अपने यहां जगह दें और उसका प्रचार-प्रसार करें, जिसकी पूंजी और बुनियादी ढांचा विदेशों में स्थित है।

नेपाल में ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन और भारत

मृत्युंजय दीक्षित

नेपाल विगत दो दशकों से राजनैतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा था जिसके कारण वहां भ्रष्टाचार चरम पर पहुँच गया था और जनता त्रस्त थी। नेपाल के चुनाव परिणाम बताते हैं कि देश कोई भी हो जनता राजनैतिक अस्थिरता, परिवारवाद व नेताओं व दलों के मध्य बारंबार होने वाले अनैतिक गठबंधनों को पसंद नहीं करती है, उसको जैसे ही अवसर मिलता है वह परंपरागत दलों को हटाकर नया विकल्प चुन लेती है फिर चाहे यह विकल्प अनुभवहीन ही क्यों न हो। नेपाल को पहली बार ओली और प्रचंड की नूरा कुश्ती से स्वतंत्रता मिली है। नेपाल के वामपंथी दलों ने गठबंधन बनाकर स्वयं को जीवित रखने का प्रयास किया था किंतु नेपाल की जनता ने उन्हें पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखाकर बता दिया कि अब वामपंथ की दुनिया उजड़ रही है। नेपाल की प्रातिनिधि सभा में 275 सदस्य होते हैं जिसमें 164 सदस्य सीधे मतदान के माध्यम से चुने जाते है।

भारत के अहम पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में युवाओं के व्यापक आंदोलन के बाद संपन्न हुए चुनावों के परिणाम आ चुके हैं। काठमांडू के पूर्व मेयर रैपर बालेन शाह का नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बनना निश्चित हो चुका है। नेपाल के इतिहास में पहली बार किसी राजनैतिक दल को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ है अतः अब देश में विकास की धारा बहने की आशा भी बलवती है। नेपाल विगत दो दशकों से राजनैतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा था जिसके कारण वहां भ्रष्टाचार चरम पर पहुँच गया था और जनता त्रस्त थी। नेपाल के चुनाव परिणाम बताते हैं कि देश कोई भी हो जनता राजनैतिक अस्थिरता, परिवारवाद व नेताओं व दलों के मध्य बारंबार होने वाले अनैतिक गठबंधनों को पसंद नहीं करती है, उसको जैसे ही अवसर मिलता है वह परंपरागत दलों को हटाकर नया विकल्प चुन लेती है फिर चाहे यह विकल्प अनुभवहीन ही क्यों न हो। नेपाल को पहली बार ओली और प्रचंड की नूरा कुश्ती से स्वतंत्रता मिली है। नेपाल के वामपंथी दलों ने गठबंधन बनाकर स्वयं को जीवित रखने का प्रयास किया था किंतु नेपाल की जनता ने उन्हें पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखाकर बता दिया कि अब वामपंथ की दुनिया उजड़ रही है। नेपाल की प्रातिनिधि सभा में 275 सदस्य होते हैं जिसमें 164 सदस्य सीधे मतदान के माध्यम से चुने जाते है। इन चुनावों में बालेन शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 120 सीटों पर विजय प्राप्त कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है जबकि दशकों तक राज करने वाली नेपाली कांग्रेस को मतदाताओ के आक्रोश का सामना करना पड़ा और वह मात्र 17 सीटो पर ही सिमट कर रह गई । कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी केवल सात -सात सीटों पर ही सिमट कर रह गईं। नेपाल में चुनाव मतपत्र के माध्यम से कराए जाते हैं और वहां इस बार 60 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग कर ऐतिहासिक सत्ता परिवर्तन किया है। कौन हैं बालेन शाह - रैपर से काठमांडू के मेयर बने बालेन शाह मधेशी समाज के नेता हैं जो पहली बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। दस वर्ष पूर्व तक किसी मधेशी नेता का प्रधानमंत्री बनना अकल्पनीय था। मधेशी लोगों की भाषा ,संस्कृति और रहन -सहन भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों से बहुत मिलता है। ये लोग मुख्य रूप से मधेश या तराई क्षेत्र में रहते हैं जो नेपाल और भारत का सीमावर्ती क्षेत्र है। मधेशी समुदाय में मैथिली, भोजपुरी, अवधी और हिंदी जैसी भाषाएं बोलने वाले लोग हैं। लंबे समय तक नेपाल की राजनीति में इन्हें प्रतिनिधित्व और अधिकारों को लेकर संघर्ष करना पड़ा जिसके कारण कई बार अलग मधेश राज्य बनाने की मांग को लेकर तीव्र आंदोलन हुए। अब पहली बार एक मधेशी नेता को वहां का प्रधानमंत्री बनने का अवसर प्राप्त होने जा रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान बालेन ने स्वयं को मधेश का बेटा बताया था और उनकी पार्टी ने, अबकी बार बालेन सरकार नारे के साथ अभियान प्रारंभ किया था। मधेश प्रांत के आठ जिलों की कुल 32सीटों में अधिकतर पर स्वतंत्र पार्टी को भारी सफलता प्राप्त हुई है। जेन- जी के व्यापक समर्थन से नेपाल के नए प्रधानमंत्री बनने जा रहे बालेन शाह के समक्ष अनेक चुनौतियां भी हैं। नेपाल में भड़के जन आंदोलन के दौरान सबसे बड़ा मुद्दा युवाओं के लिए रोजगार की भारी कमी, पलायन का और भ्रष्टाचार का था। स्वाभाविक तौर पर जनता इन समस्याओं का समाधान मांगेगी। नेपाल के नए प्रधानमंत्री को विदेश नीति के अतंर्गत भारत और चीन के मध्य सामंजस्य व संतुलन स्थापित करके चलना होगा। भारत को लेकर बालेन कई बार विवादों में रहे हैं। एक बार बालेन शाह ने अपने कार्यालय में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगा लिया था जिसमें भारत के अनेक क्षेत्रों को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था बाद में विवाद व आलोचना के कारण बालेन को वह नक्शा हटाना पड़ा था । पूर्व प्रधानमंत्री ओली भी इस प्रकार की नादानियां करते रहे हैं और उन्हें भारत से पंगा लेने का पुरस्कार भी वहां की जनता ने दे दिया है। वह आदिपुरूष फिल्म और माता सीता को नेपाल की बेटी बताकर भी भारत के साथ भिड़ गए थे। बालेन को भारत और नेपाल के रोटी-बेटी सम्बन्ध को समझना होगा। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि बालेन शाह भारत का खुलकर विरोध करने की स्थिति में कतई नहीं हैं क्योंकि नेपाल में जिन- जिन लोगों ने भारत के साथ सामरिक चतुराई दिखाने का प्रयास किया है वो नेपथ्य में चले गए हैं। बालेन शाह ने राष्ट्रवाद के नाम पर कई बार भारत से पंगा लिया है और भारत के खिलाफ नैरेटिव खड़ा करने का प्रयास किया है। यद्यपि बालेन शाह ने भारत में ही अपनी पढ़ाई पूरी की किंतु उनका भारत विरोधी दृष्टिकोण कई बार सामने आ चुका है। नए संसद भवन में बने अखंड भारत के मानचित्र पर उन्होंने घोर आपत्ति जताई थी जबकि बालेन ने नेपाल के नक्शे में यूपी, बिहार से लेकर बंगाल तक के अनेक हिस्सों को नेपाल का बता दिया था। बालेन ने भारत ,अमेरिका और चीन के खिलाफ एक पोस्ट लिखा था जिसमें सबसे बड़ा भाग भारत के खिलाफ था, इस पोस्ट पर राजनैतिक विवाद होने पर उन्होंने यह पोस्ट वापस ले ली थी। आदिपुरूष फिल्म के दौरान हुए विवाद के समय उन्होंने अपनी आपत्ति प्रकट की थी और यहां तक धमकी दे डाली थी कि जब तक उनकी आपत्ति का निराकरण नहीं जाता तब तक वह नेपाल की राजधानी काठमांडू व अन्य शहरों मे भारतीय फिल्मों को नहीं चलने देगे। यही कारण है कि भारत नेपाल के घटनाक्रमों पर बराबर नजर बनाए रखे हुए है और वहां की स्थिति पर काफी संतुलित बयान दे रहा है क्योंकि बालेन शाह के साथ भारत का कोई बहुत अच्छा अनुभव नहीं रहा है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भी नेपाल की राजनीति को प्रभावित करने के लिए अपनी गतिविधियां लगातार संचालित कर रही है। चुनावों के दौरान भी भारत के सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में आईएसआई ने दंगे फैलाने की साजिशें रची थीं। इन सबके बाद भी दशकों बाद नेपाल में पूर्ण बहुमत की सरकार आने से एक नई आशा बंधी है कि अब वहां स्थिर विकास हो सकेगा और युवाओं की अपेक्षाएं पूरी हो सकेंगी। बालेन शाह राष्ट्रवादी और मधेशी ब्राह्मण नेता हैं, भारत अपना रुख उनके प्रति सकारात्मक रखेगा क्योंकि बालेन शाह चाहते है कि यदि उन्हें बराबरी का सम्मान दिया गया तो वह प्रथम दृष्टया भारत के साथ ही जाना पसंद करेंगे। नेपाल की नई सरकार को नेपाल का पुनर्निर्माण करना है और उसमें भी युवाओं की आकांक्षा व सपनो को पूरा करना है इसलिए नये शासक को सभी के साथ मिलकर चलना ही होगा।

विपक्ष की भूमिका पर उठते सवाल

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है। यही वह मंच है जहाँ जनता के प्रतिनिधि देश के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा करते हैं, सरकार से जवाबदेही मांगते हैं और राष्ट्रीय हित में नीतियों का निर्माण करते हैं। लोकतंत्र में संसद देश की सामूहिक चेतना का प्रतीक भी होती है, यहाँ होने वाली बहसें सरकार की नीतियों को दिशा देती हैं और जनता की आकांक्षाओं और समस्याओं को भी राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाती हैं। यही कारण है कि संसद से यह अपेक्षा की जाती है कि यहाँ होने वाली हर बहस का केंद्र भारत और उसके नागरिकों की समस्याएँ हों। वस्तुतः हाल ही में संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन जो दृश्य सामने आया, उसने अवश्य आज लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष तथा पश्चिम एशिया की स्थिति पर संसद में चर्चा की मांग को लेकर इतना हंगामा कर दिया कि लोकसभा की कार्यवाही चल ही नहीं सकी। यह स्थिति तब पैदा हुई जब सरकार की ओर से विदेश मंत्री पहले ही इस विषय पर संसद में विस्तृत जानकारी दे चुके थे। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या यह वास्तव में जनहित का मुद्दा था या फिर राजनीतिक विरोध के लिए संसद को बाधित करने की रणनीति?

विदेश मंत्री ने राज्यसभा और लोकसभा दोनों में पश्चिम एशिया की स्थिति पर विस्तार से सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौजूदा संघर्ष भारत के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय काम करते हैं। इसके अलावा भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी काफी हद तक इसी क्षेत्र पर निर्भर है। भारत सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है और अब तक हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया जा चुका है। संबंधित मंत्रालयों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा जा रहा है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि संघर्ष के कारण वैश्विक सप्लाई चेन और ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है इसलिए भारत स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। विदेश मंत्री ने यह भी स्वीकार किया कि ईरान की मौजूदा परिस्थितियों में नेतृत्व स्तर पर संपर्क करना कठिन हो गया है, किंतु भारत हमेशा शांति, संवाद और कूटनीतिक समाधान का पक्षधर रहा है। जब सरकार इस विषय पर संसद को जानकारी दे चुकी थी, तब भी विपक्ष का लगातार वी वांट डिस्कशन के नारे लगाना और सदन की कार्यवाही बाधित करना कई प्रश्नों को जन्म देता है। क्या विपक्ष को यह ज्ञात नहीं कि भारत एक विशाल और जटिल देश है, जहाँ 140 करोड़ से अधिक लोगों की आकांक्षाएँ और समस्याएँ हैं? रोजगार, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की गुणवत्ता, बुनियादी ढाँचे का विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण और जल संकट जैसे अनेक विषय हैं, जिन पर संसद में गहन और गंभीर चर्चा की आवश्यकता है। यह एक गहन तथ्य है कि भारत की अर्थव्यवस्था आज लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर के आकार तक पहुँच चुकी है और सरकार इसे आने वाले वर्षों में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह लक्ष्य तभी हासिल किया जा सकता है जब उद्योगों में निवेश बढ़े, रोजगार सृजन की गति तेज हो और युवाओं को व्यापक अवसर मिलें। हर वर्ष लगभग एक से सवा करोड़ युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। यदि इतने बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध नहीं हुए तो बेरोजगारी और सामाजिक असंतोष दोनों बढ़ सकते हैं। इसका एक कारण यह भी है कि वर्तमान में देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह स्थिति भारत को एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ प्रदान करती है, जिसे डेमोग्राफिक डिविडेंड कहा जाता है, किंतु इसका लाभ तभी लिया जा सकता है जब युवाओं को पर्याप्त शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर उपलब्ध हों। यदि ऐसा नहीं हुआ तो यही जनसांख्यिकीय लाभ भविष्य में चुनौती भी बन सकता है। इसी तरह किसानों की आय, ग्रामीण विकास, शिक्षा व्यवस्था का सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और बुनियादी ढाँचे का विकास जैसे विषय सीधे भारत के भविष्य से जुड़े हुए हैं। संसद में इन मुद्दों पर व्यापक और गंभीर चर्चा की आवश्यकता है। यदि संसद का बहुमूल्य समय विदेशी संघर्षों पर राजनीतिक हंगामे में खर्च हो जाए, तो यह लोकतंत्र की भावना के अनुरूप कैसे माना जा सकता है? यह स्पष्ट है कि विदेश नीति और वैश्विक घटनाएँ भी महत्वपूर्ण होती हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति का भारत की ऊर्जा सुरक्षा और प्रवासी भारतीयों से गहरा संबंध है। इसलिए इस विषय पर सरकार का सतर्क रहना और संसद को जानकारी देना आवश्यक है। लेकिन इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं हो सकता कि इन मुद्दों को संसद की कार्यवाही बाधित करने का साधन बना दिया जाए। हालांकि इसमें दो मत नहीं कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह सरकार की नीतियों की आलोचना करता है, उसकी गलतियों की ओर ध्यान दिलाता है और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। परन्तु यह भूमिका तभी सार्थक होती है जब वह जिम्मेदार और रचनात्मक हो। संसद को बार-बार बाधित करना, नारेबाजी करना और बहस के बजाय हंगामा करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करता है। विडंबना यह भी रही कि जब विदेश मंत्री राज्यसभा में इस विषय पर बोल रहे थे, तब विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। यदि वास्तव में चर्चा की इच्छा होती तो विपक्ष उस समय सदन में रहकर सवाल पूछ सकता था, अपनी चिंताएँ व्यक्त कर सकता था और सरकार को जवाब देने के लिए बाध्य कर सकता था। लेकिन वॉकआउट और हंगामा यह संकेत देते हैं कि उद्देश्य शायद चर्चा से अधिक राजनीतिक संदेश देना था। वस्तुतः आज भारत विश्व मंच पर तेजी से उभरती हुई शक्ति है। आर्थिक, सामरिक और कूटनीतिक दृष्टि से भारत की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो चुकी है। ऐसे समय में संसद का हर निर्णय और हर बहस वैश्विक स्तर पर भी एक संदेश देती है। यदि संसद में बार-बार अव्यवस्था और हंगामा होता है, तो यह लोकतांत्रिक परिपक्वता की छवि को भी प्रभावित करता है। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल संसद की गरिमा और उसकी जिम्मेदारी को समझें। भले असहमति लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, किंतु उसका तरीका रचनात्मक और तथ्य आधारित होना चाहिए। लोकतंत्र में संसद राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रतीक है। यहाँ होने वाली बहसें देश की दिशा और भविष्य तय करती हैं। रोजगार, कृषि, शिक्षा-स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सुरक्षा और पर्यावरण जैसे मुद्दे करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े प्रश्न हैं। इन पर गंभीर, तथ्य आधारित और दूरदर्शी चर्चा ही भारत को समावेशी और टिकाऊ विकास की राह पर आगे बढ़ा सकती है। सभी सांसदों से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे संसद में राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें। यदि सभी दल इस भावना के साथ काम करें तो संसद वास्तव में उस उद्देश्य को पूरा करती दिखती है जिसके लिए उसे लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था कहा जाता है।

अमरीका की कूटनीति नहीं दादागिरी!

विनीत नारायण

इराक के खिलाफ 1991 का गल्फ वॉर, 1998 की बमबारी और 2003 का आक्रमण 'महाविनाश के हथियारों' के झूठ पर आधारित था। सद्दाम हुसैन को हटाया गया लेकिन इराक आज भी अराजकता में डूबा है, आई.एस.आई.एस. जैसे समूह पैदा हुए। सोमालिया (1992–1994, 2007–वर्तमान) में अमरीकी हस्तक्षेप ने समुद्री डकैती और आतंकवाद बढ़ाया। बोस्निया (1994–1995) में नाटो हमले, सूडान (1998) में दूतावास बमबारी, अफगानिस्तान (1998, 2001) में तालिबान के खिलाफ युद्ध–ये सभी अमरीका की 'आतंकवाद विरोधी' नीति के नाम पर थे, लेकिन अफगानिस्तान से 2021 की शर्मनाक वापसी ने साबित किया कि 20 साल का युद्ध व्यर्थ था। यूगोस्लाविया (1999) में नाटो बमबारी ने कोसोवो को अलग किया, लेकिन जातीय तनाव आज भी हैं। यमन (2002–वर्तमान) में ड्रोन हमलों ने नागरिकों को मार डाला, पाकिस्तान (2004) में भी यही हुआ।

आज दुनिया में हर ओर युद्ध, तबाही और अराजकता का दौर है। विकास की गति रुक रही है। अनिश्चितता का वातावरण है। अनेक देशों के नेता ही मवालियों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। जबकि विश्व के लोग हमेशा शांति और विकास चाहते हैं। इस उठा-पटक में अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सबसे आगे हैं। ट्रम्प ही क्यों, अमरीका की तो फितरत ही रही है कि कोई बहाना ढूंढ कर कमजोर देशों को दबाना और उनके संसाधनों पर कब्जा करना। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट काफी वायरल हुई, जिसमें लिखा है कि ''प्रिय दुनिया, क्या तुम अमरीका और उसके सहयोगियों द्वारा झूठ बोलने से थक नहीं गए हो? क्या तुम उस साम्राज्य से थक नहीं गए हो, जो खून और मौत की तलाश में नहीं रुकता? अमरीका या उसके सहयोगी कभी किसी बात पर सच्चे रहे हैं? दुनिया कब इनके झूठ से ऊब जाएगी? अब तो हमें पता होना चाहिए कि वैश्विक अशांति, मौत, अराजकता और विनाश के जिम्मेदार कौन हैं? जो दुनिया की स्थिरता के खिलाफ हैं? जो विश्व शांति के विचार से डरते हैं? तुम्हारी चुप्पी सहयोग है! अमरीका वैश्विक मुसीबत पैदा करने वाला है। मौत और विनाश की मशीन! अमरीकी साम्राज्य की तानाशाही के खिलाफ बोलो!!!'' यह पोस्ट न केवल अमरीका की ऐतिहासिक गलतियों को उजागर करती है बल्कि दुनिया को जगाने का प्रयास भी करती है। आज, जब हम वेनेजुएला, क्यूबा और ईरान जैसे देशों में अमरीकी हस्तक्षेप की नई लहर देख रहे हैं, यह स्पष्ट हो गया है कि अमरीका के फैसले गलत साबित हो चुके हैं। इन युद्धों ने न केवल लाखों जानें लीं, बल्कि दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। अमरीका की इन गलतियों से यह पता चलता है कि वैश्विक समुदाय अब युद्धों से कितना ऊब चुका है? अमरीका की विदेश नीति का इतिहास झूठ, हस्तक्षेप और युद्धों से भरा पड़ा है। 1950 के दशक से शुरू करें तो कोरियाई युद्ध (1950-1953) में अमरीका ने उत्तर कोरिया के आक्रमण का बहाना बनाकर हस्तक्षेप किया लेकिन वास्तविकता यह थी कि यह शीत युद्ध की रणनीति का हिस्सा था। लाखों कोरियाई मारे गए लेकिन क्या अमरीका की जीत हुई? नहीं, यह युद्ध आज भी कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव का कारण बना हुआ है। इसी तरह, 1954 में ग्वाटेमाला में अमरीका ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फैंका, क्योंकि वहां की भूमि सुधार नीतियां अमरीकी कंपनियों को पसंद नहीं आईं। ग्वाटेमाला आज भी गरीबी और हिंसा से जूझ रहा है। 1950-60 के दशक से अमरीका के झूठ की फ़ेहरिस्त लंबी है। इंडोनेशिया (1958) में सी.आई.ए. ने विद्रोहियों को समर्थन दिया लेकिन असफल रहा। क्यूबा (1961) में 'बे ऑफ पिग्स' हमला एक बड़ी असफलता थी, जहां अमरीका ने फिदेल कास्त्रो को हटाने की कोशिश की लेकिन खुद की किरकिरी हुई। वियतनाम युद्ध (1961-1975) तो अमरीकी इतिहास का सबसे काला अध्याय है। अमरीका ने 'टोंकिन की खाड़ी घटना' को बहाना बनाकर युद्ध शुरू किया, जो बाद में झूठ साबित हुआ। 58,000 अमरीकी सैनिक और लाखों वियतनामी मारे गए। अमरीका हारकर लौटा, और वियतनाम आज एक मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश है। लाओस (1964-1973) और कंबोडिया (1969-1970) में गुप्त बमबारी ने लाखों लोगों को मार डाला और खमेर रूज जैसे आतंक को जन्म दिया। कांगो (1964) में अमरीका ने वहां प्रधानमंत्री पैट्रिस लुमुम्बा की हत्या में भूमिका निभाई, जो अफ्रीका की आजादी के प्रतीक थे। डोमिनिकन रिपब्लिक (1965) में हस्तक्षेप ने लोकतंत्र को कुचला। 1980 के दशक में भी यह सिलसिला जारी रहा। ग्रेनाडा (1983) में अमरीका ने मैडिकल छात्रों की सुरक्षा का बहाना बनाकर आक्रमण किया लेकिन यह छोटे देश पर साम्राज्यवादी कब्जा था। लेबनान (1983-1984) में अमरीकी सैनिकों की मौत हुई लेकिन कोई स्थायी शांति नहीं आई। लीबिया (1986) में गद्दाफी पर हमला, ईरान (1987-1988) में नौसेना संघर्ष, पनामा (1989) में नोरिएगा को हटाना-ये सभी फैसले अमरीका की ताकत दिखाने के लिए थे लेकिन उन्होंने क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ाई। इराक के खिलाफ 1991 का गल्फ वॉर, 1998 की बमबारी और 2003 का आक्रमण 'महाविनाश के हथियारों' के झूठ पर आधारित था। सद्दाम हुसैन को हटाया गया लेकिन इराक आज भी अराजकता में डूबा है, आई.एस.आई.एस. जैसे समूह पैदा हुए। सोमालिया (1992-1994, 2007-वर्तमान) में अमरीकी हस्तक्षेप ने समुद्री डकैती और आतंकवाद बढ़ाया। बोस्निया (1994-1995) में नाटो हमले, सूडान (1998) में दूतावास बमबारी, अफगानिस्तान (1998, 2001) में तालिबान के खिलाफ युद्ध-ये सभी अमरीका की 'आतंकवाद विरोधी' नीति के नाम पर थे, लेकिन अफगानिस्तान से 2021 की शर्मनाक वापसी ने साबित किया कि 20 साल का युद्ध व्यर्थ था। यूगोस्लाविया (1999) में नाटो बमबारी ने कोसोवो को अलग किया, लेकिन जातीय तनाव आज भी हैं। यमन (2002-वर्तमान) में ड्रोन हमलों ने नागरिकों को मार डाला, पाकिस्तान (2004) में भी यही हुआ। सीरिया (2014) में आई.एस.आई.एस. के खिलाफ हस्तक्षेप ने देश को बर्बाद कर दिया। लीबिया (2011) में गद्दाफी को हटाने के बाद देश गृहयुद्ध में फंस गया। और अब 2026 में वेनेजुएला, क्यूबा और ईरान पर झूठ। वेनेजुएला में अमरीका ने दावा किया कि मादुरो तानाशाह है, लेकिन यह तेल संसाधनों पर कब्जे की कोशिश है। क्यूबा पर दशकों से प्रतिबंध, लेकिन 2026 में नए आरोप लगाकर दबाव बढ़ाया जा रहा है। ईरान पर परमाणु कार्यक्रम के बहाने हमले की धमकी, जबकि ईरान शांति समझौते चाहता है। ये सभी फैसले गलत साबित हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट्स बताती हैं कि युद्धों से करोड़ों लोग विस्थापित हुए, अर्थव्यवस्थाएं चरमरा गईं। यूक्रेन-रूस संघर्ष और इसराईल-फिलिस्तीन विवाद में अमरीका की भूमिका ने दिखाया कि वह शांति दलाल नहीं, बल्कि युद्ध उकसाने वाला है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमरीका के देश अब चीन और रूस जैसे भागीदारों की ओर मुड़ रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि ये देश शांति और विकास पर जोर देते हैं। कोरोना महामारी और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों ने साबित किया कि दुनिया को सहयोग चाहिए, न कि संघर्ष। अमरीका की ये गलतियां साबित करती हैं कि उसकी कूटनीति स्वार्थ पर आधारित है। वह लोकतंत्र और मानवाधिकारों का ढोंग रचता है, लेकिन वास्तव में संसाधनों और वर्चस्व की तलाश करता है। अब समय आ गया है कि दुनिया जागे। संयुक्त राष्ट्र में सुधार, बहुपक्षीय समझौते और शांति वार्ताएं ही रास्ता हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की संपन्न हुई बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, बच्चों की उपस्थिति, निर्माणाधीन केंद्रों की प्रगति तथा विभिन्न पोषण योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने सभी सीडीपीओ से निजी भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को सरकारी भवनों में स्थानांतरित करने की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि संबंधित उप जिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर निजी भवनों में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्रों को शीघ्र सरकारी भवनों में शिफ्ट कराया जाय। आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी केंद्र प्रतिदिन अनिवार्य रूप से खुले रहें। बैठक में अनुपस्थित पाए जाने पर सीडीपीओ नगर व सीडीपीओ सिराथू का वेतन रोकने तथा उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये गये।

बच्चों की उपस्थिति संतोषजनक न मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए सभी सीडीपीओ को उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों की शत-प्रतिशत फ़ेस कैप्चरिंग सुनिश्चित की जाए और पुष्टाहार का वितरण फ़ेस कैप्चरिंग के माध्यम से ही किया जाए। कार्य में लापरवाही पाए जाने पर सीडीपीओ कड़ा का वेतन रोकने तथा स्पष्टीकरण लेने के निर्देश भी दिये गये।

उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के अंतर्गत लंबित प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश दिए। साथ ही पोषण पुनर्वास केंद्र में फरवरी माह में केवल 15 सैम (गंभीर कुपोषित) बच्चों के भर्ती होने पर नाराजगी जताते हुए अधिक से अधिक सैम बच्चों को भर्ती कराने तथा उनका नियमित फॉलो-अप सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शेष बचे केंद्रों का निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि पोषण पुनर्वास केंद्र में सैम बच्चों के भर्ती होने पर उनकी माता को प्रतिदिन 100 रुपये की दर से 14 दिनों तक कुल 1400 रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने का प्रावधान है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी शालिनी रंजन, जिला पूर्ति अधिकारी मंगेश कुमार मौर्य, जिला पंचायतराज अधिकारी अनिल कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पटकापुर में महिलाओं के लिए स्नानघर की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। ग्राम पटकापुर पतारी में महिलाओं के लिए पक्के और बंद स्नानघर के निर्माण की मांग की गई है। ग्रामीणों ने सदर विधायक पंकज गुप्ता को पत्र सौंपकर यह मांग रखी। विधायक गुप्ता ने तत्काल संबंधित विभाग को जानकारी देकर समस्या के निस्तारण का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में किसी व्यक्ति के निधन के बाद परंपरा के अनुसार महिलाओं को 13 दिनों तक गांव के बाहर स्नान करना होता है। वर्तमान में महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और व्यवस्थित स्नान की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। इस कारण महिलाओं को खुले स्थानों या असुविधाजनक परिस्थितियों में स्नान करना पड़ता है, जो उनकी सुरक्षा और गरिमा दोनों के लिए अनुचित है। ग्रामीणों ने विधायक से अनुरोध किया है कि ग्राम पटकापुर में पानी की टंकी सहित एक पक्का स्नानघर बनवाया जाए। इस मांग पत्र पर कौशल सिंह, अनिक सिंह, प्रशपाल सिंह, विवेक सिंह, रामकुमारी, ऋषि कुमार सिंह, मूलचंद, अवधराज सिंह, अनूप सिंह, आयुतीय सिंह, दीपक सिंह, अशोक सिंह, देवेंद्र सिंह, सतगुरु पाल सहित कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं।

सिकंदरपुर सरोसी में आयुष्मान कार्ड पखवाड़े का शुभारंभ, लाभार्थियों को वितरित किए गए कार्ड

- सदर विधायक पंकज गुप्ता बोले–कोई भी पात्र व्यक्ति धन के अभाव में इलाज से वंचित न रहे, गांव-गांव बनेंगे आयुष्मान कार्ड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी के ब्लॉक सभागार में आयुष्मान कार्ड पखवाड़े का शुभारंभ समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने अभियान की शुरुआत करते हुए लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि आयुष्मान कार्ड पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य गरीब और वंचित परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। केंद्र और प्रदेश सरकार की मंशा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति धन के अभाव में इलाज से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है, जिससे गंभीर बीमारियों के उपचार में बड़ी राहत मिलती है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पखवाड़े के दौरान गांव-गांव जाकर पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। साथ ही उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से अपील की कि वे अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा बहुओं को प्रशस्ति पत्र और कैप भेंटकर सम्मानित किया गया। विधायक ने आशा कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यप्रकाश, खंड विकास अधिकारी देवकुमार चतुर्वेदी, एमओआईसी डॉ. विकास, सीडीपीओ धर्मेंद्र कुमार, एडीओ विनोद वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी के शिकार युवक को मिली राहत, पुलिस ने लौटाए 97 हजार रुपये

- स्वास्थ्य बीमा दिलाने के नाम पर क्रेडिट कार्ड से की गई थी ठगी, साइबर टीम की सक्रियता से पूरी रकम खाते में हुई रिफंड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद में बढ़ते साइबर अपराध के बीच कोतवाली सदर पुलिस ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार एक युवक को बड़ी राहत दिलाई है। साइबर टीम की सक्रियता से ठगी गई 97 हजार रुपये की पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी गई।

जानकारी के अनुसार कौशल नगर निवासी प्रखर त्रिपाठी ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि 18 जनवरी 2026 को स्वास्थ्य बीमा दिलाने के नाम पर जालसाजों ने उनके क्रेडिट कार्ड से 97 हजार रुपये की ठगी कर ली थी। घटना के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर पोर्टल पर दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद कोतवाली सदर पुलिस की साइबर टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम ने संबंधित बैंकिंग चैनलों से समन्वय स्थापित किया और ठगी गई पूरी धनराशि को पीड़ित के खाते में वापस करा दिया।

पीड़ित प्रखर त्रिपाठी ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक चन्द्रकांत मिश्र, अपराध निरीक्षक राजेश यादव तथा महिला आरक्षी सोनिया शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या बीमा अथवा बैंकिंग संबंधी ऑफर पर अपनी निजी जानकारी साझा न करें और साइबर ठगी होने पर तुरंत साइबर पोर्टल या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

ईद-उल-फितर, अलविदा की नमाज, नवरात्रि व रामनवमी को लेकर प्रशासन सतर्क

- जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में बैठक, अधिकारियों को शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व संपन्न कराने के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। आगामी त्योहारों ईद-उल-फितर, अलविदा की नमाज, नवरात्रि और रामनवमी को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश भी मौजूद रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि चांद के दीदार के अनुसार 21 मार्च को ईद-उल-फितर, 13 मार्च को अलविदा की नमाज, 19 मार्च से नवरात्रि प्रारंभ होकर 26 मार्च 2026 को रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी त्योहार सकुशल संपन्न कराए जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई सुनिश्चित कराई जाए। जिला पंचायत राज अधिकारी और नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी इस कार्य की नियमित निगरानी करें। उन्होंने उपजिलाधिकारियों और क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया कि जुलूस व शोभायात्राएं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाएं तथा लाउडस्पीकर के प्रयोग में ध्वनि विस्तारक यंत्रों से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया जाए।

उन्होंने कहा कि मीट की दुकानें खुले में संचालित न हों और मीट को ढककर रखा जाए। अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए कि मेलों में लगने वाले झूलों का सत्यापन कर लिया जाए और जर्जर या कमजोर झूलों को अनुमति न दी जाए।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को त्योहारों के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा टूटे-फूटे व जर्जर तारों को पहले ही बदलने के निर्देश दिए। वहीं अधिशासी अभियंता जल निगम को पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने को कहा, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सड़कों व चौराहों पर घूम रहे अवांछित पशुओं को अभियान चलाकर संबंधित गौशालाओं में संरक्षित कराया जाए।

पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश ने उपस्थित धर्मगुरुओं और समाजसेवियों को आश्वस्त किया कि त्योहारों के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनपद में किसी भी अपराधी को वर्चस्व स्थापित नहीं करने दिया जाएगा और सभी नागरिकों को सुरक्षित माहौल में त्योहार मनाने का अवसर मिलेगा। बैठक के दौरान धर्मगुरुओं और समाजसेवियों ने बिजली, पानी, साफ-सफाई और सुरक्षा से संबंधित अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं, जिनके समाधान का आश्वासन जिलाधिकारी ने दिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अमिताभ यादव, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेन्द्र, उपजिलाधिकारी सदर सहित अन्य संबंधित अधिकारी, धर्मगुरु और समाजसेवी उपस्थित रहे।

स्वर्णकार समाज ने पारंपरिक तरीके से मनाया होली मिलन समारोह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद में स्वर्णकार (सुनार) संघ की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के वरिष्ठजनों व सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा देना रहा। समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक आयोजन समाज को एकजुट करने और आपसी संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में सभी लोगों ने पारंपरिक तरीके से होली का उत्सव मनाया और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस दौरान होली के गीतों और आपसी मिलन के साथ उत्सव का माहौल बना रहा। इस अवसर पर सुरेंद्र वर्मा (बाबा), सुशील सोनी, अरविंद वर्मा, परमानंद सोनी, अनूप वर्मा, देवकांत जौहरी, चंद्रप्रकाश (चंदन), पंकज सोनी, सौरभ वर्मा, बेदू सोनी, महेंद्र सोनी, राजीव वर्मा (अध्यक्ष अचलगंज), कमल वर्मा (शुक्लागंज), रामचंद्र वर्मा और अमर सिंह सहित सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे। समारोह का समापन सभी को होली की शुभकामनाएं देने और सामाजिक एकता को बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

- ग्रामीणों ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

परियर(उन्नाव)। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र मे तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया वहीं मृतक के परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। मृतक के माता-पिता के हरियाणा प्रांत में होने के कारण परिजनों ने कहा कि मृतक के पिता को सूचना दे दी है वह भी देर रात तक घर आ जायेंगे जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

जानकारी के अनुसार परियर चौकी क्षेत्र के अतहा गांव निवासी राजू का 18 वर्षीय पुत्र महेश अपने साथी मोहित 13 वर्ष व विकास 14 वर्ष के साथ बाइक से किसी काम से पावा चौराहे पर जा रहा था तभी पावा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर से बाइक की आमने सामने जबरजस्त भिड़ंत हो जाने से बाइक चला रहे युवक महेश की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि बाइक पर सवार दो अन्य किशोर भी गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने गंभीर रूप से घायल मोहित व विकास को परियर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां दोनों का इलाज चल रहा है.मृतक के परिजन मां बाप के आने तक शव मौके पर ही रखने पर अड़े थे परंतु थाना अध्यक्ष सुब्रत नारायण त्रिपाठी ने उन्हें समझाया जिसके बाद परिजन शव को चारपाई पर रखकर घर ले जाने को राजी हुए.

मृतक के माता पिता राजू वर्तमान में परिवार के साथ हरियाणा प्रांत में रहकर मजदूरी करते हैं। उनका आने का इंतजार किया जा रहा है. मृतक चार बहनों में अपने माता-पिता का एक इकलौता वारिस था. मृतक होली के त्योहार में हरियाणा से गांव आया था। मार्ग दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे प्रशिक्षु आई पी एस संचित शर्मा ने भी मृतक के परिजनों को हर संभव कार्यवाही का आश्वासन दिया .इस दौरान घटना स्थल पर परियर चौकी इंचार्ज अनिल राजपूत, एस आई योगेंद्र प्रताप सिंह व सत्येंद्र कुमार सहित भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

दो पक्षों में मारपीट, होमगार्ड समेत कई पर आरोप

उन्नाव। सफीपुर थाना क्षेत्र के मौलाना दादा सोहरवा तालाब मोहल्ले में भैंस दुहने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में चार लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मारपीट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि मौलाना दादा सोहरवा तालाब निवासी रामकली, अजय पाल, पिंकी और लक्ष्मी के साथ उनके पड़ोसियों ने मारपीट कर दी, जिससे चारों घायल हो गए। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले विजय पाल, संजू पाल (होमगार्ड), संजय पाल, राहुल पाल तथा उनके साथ आए दो अज्ञात लोगों ने मिलकर हमला किया। घायलों के अनुसार विवाद भैंस को दुहने से मना करने को लेकर शुरू हुआ था, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। इस दौरान लाठी-डंडों से भी हमला किए जाने की बात सामने आई है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि कानपुर में तैनात होमगार्ड संजू पाल ने दबंगई दिखाते हुए अपने साथियों के साथ मिलकर हमला किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही।

डग्गामार बस अनियंत्रित होकर खंती मे पलटी

पुरवा-उन्नाव। पुरवा-दही मार्ग पर मंगतखेड़ा के निकट एक डग्गामार बस अनियंत्रित होकर खंती मे पलट गई। सभी यात्री बाल-बाल बचे। राहगीरों व पुलिस ने यात्रियों को बाहर निकाला। मंगलवार दोपहर मौरावां से सवारी लेकर उन्नाव जा रही प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर दही-पुरवा मार्ग पर बैगांव मोड के पास पलट गयी। बस पलटने से बस के अंदर सवारियों मे चीख पुकार मचने लगी। आवाज सुनकर आसपास खेतों मे काम कर रहे लोग भी दौड़े। सभी सवारियों को बाहर निकाला। हादसे में किसी को गंभीर चोटें नहीं आयी। मौके से चालक और परिचालक भाग निकले। राहगीरों की सूचना पर मौके पर डायल 112, फायर बिग्रेड सहित उपनिरीक्षक सियाराम चौरसिया और विनोद सिंह मयफोर्स के घटनास्थल पहुंचे। बस में लगभग 30-35 सवारियां थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस अचानक दायीं ओर चलती चली गयी और पलट गयी।सामने से कोई वाहन नहीं आ रहा था। इससे अनुमान हैं की बस की ब्रेक या स्टेयरिंग फ़ेल होने के चलते चालक ने बस सड़क किनारे खंती में पेड़ के पास पलटाया होगा। प्रभारी निरीक्षक अमरनाथ यादव ने बताया कि बस पलटने की सूचना मिलने पर पुलिस बल भेजा है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।उन्होंने कहा कि अधिक सवारियां ले जाने वालों डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया जायेगा।

पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल, जनता में आक्रोश

शुक्लागंज(उन्नाव)। बिंदा नगर निवासी शैलेंद्र ने बताया कि उन्होंने चार माह पूर्व ही कार खरीदी थी। मंगलवार सुबह करीब तीन बजे पड़ोसियों ने शोर सुनकर देखा कि गली में खड़ी शैलेंद्र की कार के अगले, पिछले और साइड के शीशे टूटे हुए थे। कार के भीतर इंटरलॉकिंग ईंटें भी मिलीं। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने पीड़ित को कोतवाली में तहरीर देने की सलाह दी और लौट गई। स्थानीय निवासियों में भारी रोष है। लोगों का कहना है कि तीन दिन पहले ही रहमत नगर में अराजकतत्वों ने तीन बाइकों और एक ई-रिक्शा में आग लगा दी थी, जिसका खुलासा पुलिस अब तक नहीं कर पाई है। वारदातों के न रुकने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

जिलाधिकारी ने की जनसुनवाई

गर्भवती महिला को निजी अस्पताल भेजने वाली आशा बहू बर्खास्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। उत्तर प्रदेश के जनपद बलिया में आशा बहू ने कमीशन के लालच में गर्भवती महिला को सरकारी अस्पताल ले जाने के बजाय निजी अस्पताल में ऑपरेशन करा दिया। पीड़िता के पिता ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के सामने यह आरोप लगाया तो उन्होंने फौरन जांच करायी। जांच सही पाए जाने पर उन्होंने आशा बहू की सेवा समाप्त करने के निर्देश दिए।

हल्दी क्षेत्र के रेपुरा निवासी मदन यादव ने जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह से शिकायत करते हुए कहा कि उनकी गर्भवती पुत्री कृति को गांव की आशा बहू बिंदु देवी पत्नी मोतीलाल गुप्ता पांच मार्च को हल्दी चट्टी स्थित सत्यम डायग्नोसिस सेंटर पर अल्ट्रासाउंड और खून की जांच कराने ले गई थी। जांच के बाद आशा बहू ने बताया कि बच्चा उल्टा है और गंदा पानी पी लिया है, इसलिए उसे बलिया अस्पताल दिखाना पड़ेगा। पीड़ित के अनुसार उनकी पत्नी इंदू देवी ने सरकारी एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल जाने की बात कहा, लेकिन आशा बहू ने जल्दबाजी का हवाला देते हुए निजी वाहन से शहर चलने को कहा। आरोप है कि वह गर्भवती महिला को सरकारी अस्पताल ले जाने के बजाय अस्पताल रोड स्थित खुशी हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया। जहां पांच हजार रुपये जमा कराकर ऑपरेशन से बच्चे का जन्म कराया गया।

मदन यादव ने जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह को बताया कि जब आशा बहू से सरकारी अस्पताल न ले जाने का कारण पूछा तो उसने अस्पताल में छुट्टी का बहाना बनाया। प्रसूता के पिता ने यह भी आरोप लगाया कि खुशी हॉस्पिटल द्वारा अब इलाज के नाम पर 20 हजार रुपये और मांगे जा रहे हैं । मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने आशा बहू बिंदु देवी को तत्काल बुलाकर पूछताछ की। जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य चिकित्साधिकारी से कराई गई जांच में शिकायत सही पाई गई। इसके बाद जिलाधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आशा बहू बिंदु देवी की सेवा समाप्त करने के निर्देश सीएमओ को दिए। साथ ही सत्यम अल्ट्रासाउंड सेंटर की भी जांच कराने और रजिस्ट्रेशन न पाए जाने पर उसे सील करने के निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने निजी अस्पताल खुशी हॉस्पिटल की भी जांच कर मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर सील करने करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि गरीब मरीजों के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही या शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों एवं तहसीलदारों को दिया प्रशिक्षण, डिजिटल प्रणाली से होगा डेटा संकलन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। जालौन के जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में भारत की जनगणनाऽ2027 के प्रथम चरण ह्लमकान सूचीकरण एवं मकानों की गणनाङ्क के संबंध में अधिशासी अधिकारियों, तहसीलदारों व तकनीकी स्टाफ का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि भारत की जनगणनाऽ2027 के प्रथम चरण के सफल संचालन के लिए जनपद में दो दिवसीय एवं तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशालाएं प्रारम्भ की गई हैं। इन कार्यशालाओं में चार्ज अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को जनगणना की प्रक्रिया, कार्यप्रणाली तथा डिजिटल माध्यम से डेटा संग्रहण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि भारत की यह 16वीं जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण के अंतर्गत 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के मध्य निर्धारित अवधि में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य किया जाएगा। इस चरण में घर की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं एवं आधारभूत व्यवस्थाओं से संबंधित 33 प्रश्नों की प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी एकत्र की जाएगी। द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या एवं जाति गणना 9 से 28 फरवरी 2027 तक किया जाएगा, जबकि 1 से 5 मार्च 2027 तक रिवीजन राउंड आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, लखनऊ से ट्रेनर रश्मि सिंह आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एआरटीओ कार्यालय में सीडीओ का औचक छापा

ऑपरेटर की सेवा समाप्त, दलाल पर एफआईआर के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले में भ्रष्टाचार और दलाली के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को एआरटीओ कार्यालय में औचक छापा मारा। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार ने अचानक निरीक्षण किया, जिससे कार्यालय में हड़कंप मच गया।

निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने कार्यालय का मुख्य गेट बंद कराकर जांच शुरू कराई। इस दौरान बेहजम क्षेत्र के कैमाखादर निवासी इश्तियाक वाहन ट्रांसफर के सिलसिले में रवि पुत्र प्रेमशंकर के साथ कार्यालय में मौजूद मिले। पूछताछ में रवि ने पहले खुद को रिश्तेदार बताया, लेकिन सख्ती से पूछने पर उसने स्वीकार किया कि वह काम कराने के लिए आया था। इश्तियाक ने बताया कि उससे काम कराने के लिए दो हजार रुपये लिए गए थे। इस पर सीडीओ ने एआरटीओ को रवि के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अर्जुनपुरवा निवासी शुभम गुप्ता ने शिकायत की कि ड्राइविंग लाइसेंस को लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) कराने के लिए निर्धारित 400 रुपये की जगह 1500 रुपये लिए गए हैं। शिकायत मिलते ही सीडीओ सीधे इंस्टेंट सॉल्यूशन सेंटर काउंटर पहुंचे। पूछताछ में कंप्यूटर ऑपरेटर कमर अली ने 1500 रुपये लेने की बात स्वीकार कर ली। तलाशी के दौरान रुपये भी बरामद हुए, जिस पर सीडीओ ने कड़ी फटकार लगाते हुए उसकी सेवाएं तत्काल समाप्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान राधेश्याम नामक व्यक्ति ने बताया कि वह नवंबर महीने से अपनी गाड़ी का बंधक कटवाने के लिए कार्यालय के चक्कर लगा रहा है, लेकिन बाबू टालमटोल कर रहे हैं। इस पर सीडीओ राधेश्याम को साथ लेकर संबंधित काउंटर पर पहुंचे। पूछने पर कनिष्ठ सहायक आशीष श्रीवास्तव संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित सुनिश्चित करना है। निरीक्षण के दौरान सामने आई शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की गई है। दलाली करने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

पलिया में स्मैक के बढ़ते कारोबार से लोग परेशान, सभासद को मिली जान से मारने की धमकी

पलियाकलां खीरी। नगर में बढ़ते नशे के कारोबार से स्थानीय लोग परेशान हैं। वार्ड के भाजपा सभासद मनोज गुप्ता ने स्मैक के खिलाफ आवाज उठाई तो नशेड़ियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दे दी। बताया जा रहा है कि मोहल्ला रंगरेजान-2 में लंबे समय से स्मैक का अवैध कारोबार चल रहा है। इस संबंध में सभासद मनोज गुप्ता ने कई बार पलिया कोतवाली में मौखिक शिकायत भी की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने से समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को जब सभासद मनोज गुप्ता ने अपने वार्ड में एक युवक को स्मैक का सेवन करने से रोका, तो वह और उसके कुछ साथी झगड़े पर उतारू हो गए और उन्हें धमकी देने लगे। बताया गया कि उक्त युवक नेपाली मूल का है और अक्सर नशे की हालत में मोहल्ले में लोगों से गाली-गलौज और विवाद करता रहता है। घटना की सूचना सभासद ने तुरंत पुलिस को फोन कर दी, लेकिन आरोप है कि पुलिस को मौके पर पहुंचने में करीब आधा घंटा लग गया। तब तक आरोपी युवक और उसके साथी मौके से फरार हो चुके थे।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में चमका लखीमपुर खीरी, प्रदेश में मिला चौथा स्थान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण के चलते लखीमपुर खीरी ने प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की फरवरी माह की रैंकिंग में जनपद को पूरे उत्तर प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के नेतृत्व में जिले ने आईजीआरएस रैंकिंग में लगातार छह माह तक लखनऊ मंडल में पहला स्थान हासिल कर प्रशासनिक कार्यकुशलता का उदाहरण पेश किया है। इससे यह स्पष्ट हुआ है कि जिले में सरकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनका प्रभाव जमीनी स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।

रैंकिंग के आंकड़ों के अनुसार आधारभूत विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भी जनपद ने प्रदेश में छठा स्थान प्राप्त किया है। वहीं राजस्व विभाग ने भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर छठा स्थान हासिल किया है जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि यह उपलब्धि जिले की पूरी प्रशासनिक टीम की सामूहिक मेहनत और जनता के भरोसे का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है और आगे भी यह क्रम जारी रहेगा।

उन्होंने बताया कि जन शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सीडीओ, एडीएम, एसडीएम तथा जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें और डैशबोर्ड मॉनिटरिंग के कारण यह सफलता मिली है। लखनऊ मंडल में भी खीरी अव्वल लखनऊ मंडल के छह जिलों की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में लखीमपुर खीरी ने चौथा स्थान प्राप्त कर मंडल में पहला स्थान हासिल किया। इसके बाद हरदोई 23वें, सीतापुर 26वें, उन्नाव 53वें, रायबरेली 51वें और लखनऊ 75वें स्थान पर रहे हैं।

मितौली तहसील बनी प्रदेश में नंबर वन

जनशिकायत निस्तारण के मामले में मितौली तहसील ने प्रदेश की 351 तहसीलों में पहला स्थान हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिलाधिकारी के मार्गदर्शन और एसडीएम मधुसूदन गुप्ता के नेतृत्व में तहसील प्रशासन ने पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध निस्तारण को प्राथमिकता दी, जिसके चलते मितौली तहसील प्रदेश में शीर्ष स्थान पर पहुंची जिला प्रशासन ने इस उपलब्धि को टीम वर्क और जनहित में किए गए सतत प्रयासों का परिणाम बताया है।

सिद्ध बाबा स्थान पर अंबेडकर झंडा लगाने से गांव में तनाव, ग्रामीणों ने एसडीएम को दिया शिकायती पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना गोला क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिपरिया गंगा में स्थित प्राचीन सिद्ध बाबा स्थान पर अंबेडकर जी का झंडा लगाए जाने को लेकर गांव में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई।

इस मामले में ग्रामवासियों ने तहसील पहुंचकर उप जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार गांव के दक्षिण स्थित सिद्ध बाबा स्थान लगभग 100 वर्ष से अधिक पुराना धार्मिक स्थल है।

मंदिर परिसर के उत्तर-पूर्व कोने में राजस्व अभिलेखों में चक मार्ग दर्ज है। आरोप है कि हमीदाबाद (रहीमनगर ग्रांट) निवासी प्रधान प्रतिनिधि पंकज गौतम और ग्राम प्रधान पिपरिया गंगा जसवीर सिंह उर्फ मिंटू ने कुछ लोगों को उकसाकर 8 मार्च 2026 की रात लगभग 12 बजे उक्त रास्ते की भूमि पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का झंडा लगवा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि इस घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई है। आरोप लगाया गया है कि लगभग एक दर्जन परिवारों के लोग विवाद की स्थिति पैदा कर रहे हैं और बाहर के कुछ युवकों को भी गांव में बुलाया जा रहा है। इससे पहले भी मंदिर परिसर की बाउंड्री और यज्ञशाला को नुकसान पहुंचाने तथा वहां रह रहे बाबा को धमकाने की घटनाएं होने का आरोप लगाया गया है। मामले को लेकर ग्राम पंचायत पिपरिया गंगा के सैकड़ों ग्रामीण तहसील गोला पहुंचे और उप जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की इस दौरान विनोद पुरी बाबा, अतुल गुप्ता, अमोल अवस्थी, अखिलेश विश्वकर्मा, महेंद्र यादव, राम औतार, जगत पाल, शिवांशु कुमार, मिथिलेश वर्मा, पप्पू राठौर, ब्रजकिशोर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

खेत में शराब पीने से मना करने पर महिला व परिजनों को मारा-पीटा, चौकी पुलिस पर भी लगे गंभीर आरोप

गोला गोकर्णनाथर खीरी। मुस्तफाबाद पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम गोपालापुर में खेत में शराब पीने से मना करने पर महिला और उसके परिवार के साथ मारपीट की गई। पीड़िता ने आरोपियों के साथ ही चौकी पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता सुषमा पुत्री जसकरन लाल ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि 2 मार्च की शाम गांव के ही रंजीत, संतोष और अमित पुत्रगण बालक उसके खेत में शराब पी रहे थे। जब उसने इसका विरोध किया तो तीनों गाली-गलौज करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी उसके घर में घुस आए और उसे, उसकी मां सावित्री और बहन सुनीता को लात-घूंसों से मारपीट कर घायल कर दिया। आरोप है कि मारपीट के दौरान उसके कपड़े भी फाड़ दिए और जान से मारने की धमकी दी। सुषमा का कहना है कि घटना की शिकायत लेकर वह मुस्तफाबाद पुलिस चौकी पहुंची, लेकिन वहां मौजूद दरोगा ने विपक्षियों से सांठगांठ कर उल्टा उसे ही डांटकर चौकी से भगा दिया।

मितौली सीएचसी में मेगा मानसिक स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ, 345 मरीजों की जांच

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली परिसर में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रकोष्ठ और सीएचसी मितौली के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय कार्य परिषद सदस्य, प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद जुगल किशोर ने फीता काटकर किया।

मुख्य अतिथि जुगल किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार करते हुए गरीबों को बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। इस दौरान मनोचिकित्सक डॉ. अखिलेश शुक्ला ने उपस्थित लोगों को विभिन्न मानसिक रोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अनिद्रा, अवसाद, बेहोशी के दौरे, चक्कर आना, माइग्रेन, चिंता, घबराहट, तनाव प्रबंधन और आत्महत्या रोकथाम जैसे विषयों पर जागरूक किया। साथ ही झाड़-फूंक और अंधविश्वास से दूर रहकर बिना झिझक चिकित्सकीय उपचार लेने के लिए प्रेरित किया। शिविर में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम ने क्षेत्र से आए लोगों, सीएचओ, आशा, एएनएम, स्टाफ नर्स और अन्य कर्मचारियों को पम्पलेट वितरित कर मानसिक बीमारियों और उनके उपचार के बारे में जानकारी दी। शिविर में चिन्हित मानसिक विकारों से ग्रसित मरीजों का चिकित्सकीय परीक्षण कर निःशुल्क दवा भी वितरित की गई तथा पुराने मरीजों को परामर्श दिया गया।

साइकियाट्रिक सोशल वर्कर अतुल कुमार पांडेय ने हेल्पलाइन नंबर 9120984643 तथा मानसिक स्वास्थ्य टेली मानस टोल फ्री नंबर 14416 (247) की जानकारी देते हुए किसी भी समस्या पर संपर्क करने की अपील की। साथ ही प्रत्येक माह के पहले मंगलवार को सीएचसी मितौली में परामर्श के लिए आने की सलाह दी। शिविर में कुल 345 मरीजों का पंजीकरण किया गया, जबकि 70 मानसिक रोगियों का परीक्षण कर दवा प्रदान की गई। साइकियाट्रिक नर्स विवेक कुमार मित्तल ने दवाएं वितरित कीं। नैदानिक मनोवैज्ञानिक स्तुति कक्कड़ ने मरीजों का मानसिक परीक्षण और बुद्धिमत्ता जांच की। एनसीडी काउंसलर राघवेंद्र प्रताप सिंह और अमृता शुक्ला ने मरीजों की ब्लड शुगर व बीपी की जांच की, जबकि शिवेंद्र सिंह और आकाश वर्मा ने 240 मरीजों के लैब टेस्ट किए इस मौके पर सीएचसी मितौली के अधीक्षक डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. के.के. भार्गव, डॉ. अरविंद कुमार, अभिषेक मिश्रा, अमित सक्सेना, शिल्पा बाजपेई, सरिता मिश्रा सहित अन्य पैरामेडिकल स्टाफ और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गैलेक्सी हॉस्पिटल पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई अवैध संचालन के आरोप में अस्पताल सीज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। नगर के मथुरा नगर क्षेत्र में संचालित गैलेक्सी हॉस्पिटल पर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे सीज कर दिया। जांच के दौरान अस्पताल अवैध रूप से संचालित पाया गया, जिसके बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की।

सीएचसी के निर्देश पर गठित जांच टीम ने अस्पताल पर छापेमारी की। टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. अजय वर्मा ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन मौके पर संचालन से जुड़े कोई भी वैध दस्तावेज या पंजीकरण प्रस्तुत नहीं कर सका। छापेमारी के दौरान अस्पताल में डॉक्टर और स्टाफ मौजूद मिले, लेकिन चिकित्सा संबंधी नियमों और व्यवस्थाओं का गंभीर अभाव पाया गया। कार्रवाई के समय अस्पताल में आठ मरीज भर्ती थे। अचानक हुई छापेमारी से अस्पताल स्टाफ और मरीजों में अफरा-तफरी मच गई। कई मरीज सरकारी अस्पताल में शिफ्ट होने के बजाय अपनी सुविधा अनुसार निजी अस्पतालों की ओर चले गए। जांच में सामने आया कि अस्पताल के पास स्वास्थ्य विभाग का अनिवार्य पंजीकरण नहीं था, जो किसी भी चिकित्सा संस्थान के संचालन के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा अस्पताल में चिकित्सा मानकों और कागजी प्रक्रिया में भी कई गंभीर कमियां पाई गईं। बिना अनुमति और वैध लाइसेंस के गंभीर मरीजों को भर्ती कर उनका इलाज किया जा रहा था, जिसे जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ माना गया। डॉ. अजय वर्मा ने मौके पर ही गैलेक्सी हॉस्पिटल को सीज करने का आदेश दिया। इस कार्रवाई की खबर फैलते ही क्षेत्र में अवैध रूप से क्लीनिक और अस्पताल चला रहे अन्य संचालकों में हड़कंप मच गया। कई संचालक कार्रवाई के डर से अपने क्लीनिकों के शटर बंद कर मौके से गायब हो गए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में संविधान संवाद रैली में शामिल होने की अपील

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आगामी 12 मार्च को पलिया में प्रस्तावित संविधान संवाद रैली को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक बैठक गोला में आयोजित की गई। बैठक सेवा समिति के अध्यक्ष शिव भगवान की अध्यक्षता में मूलचंद के निवास पर संपन्न हुई, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में रैली में शामिल होने की अपील की गई। बैठक को संबोधित करते हुए शिव भगवान ने बताया कि 12 मार्च 2026 को दोपहर 12 बजे पलिया के हर्षंकर लॉन, माल गोदाम रोड पर संविधान संवाद रैली आयोजित की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से रैली को सफल बनाने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। बताया गया कि रैली को एआईसीसी महासचिव एवं उत्तर प्रदेश के प्रभारी, यूपीसीसी अध्यक्ष तथा पूर्व मंत्री अजय राय, सांसद उज्ज्वल रमण सिंह, सांसद इमरान मसूद, सांसद तनुज पुनिया तथा सांसद राकेश राठौर मुख्य रूप से संबोधित करेंगे। बैठक में राज नारायण राठी, गौरव शर्मा, जगदीश वर्मा, राहुल जायसवाल, पवन गिरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ईरान पर हमले के विरोध में गोंडा में वामपंथी दलों का प्रदर्शन, राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोण्डा। ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले और विश्व स्तर पर बढ़ते युद्ध के माहौल के विरोध में जनपद के वामपंथी दलों ने प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित मांग पत्र जिला प्रशासन के माध्यम से सौंपा। प्रदर्शन में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ऽ सीपीआईएम और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि अमेरिका-इजराइल के साम्राज्यवादी गठजोड़ द्वारा ईरान पर किया गया हमला निंदनीय है और इससे विश्व शांति को खतरा पैदा हो रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण की तरह किए जा रहे व्यापार समझौते को रद्द किया जाए। साथ ही बीज बिल विधेयक 2025, चार लेबर कोड और इलेक्ट्रिसिटी विधेयक 2025 को तत्काल निरस्त करने की मांग उठाई गई। इसके अलावा राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन 2.0 और अन्य प्रस्तावित विधेयकों को वापस लेने की भी मांग की गई।

वामपंथी नेताओं ने कहा कि ईरान पर हमले में निर्दोष नागरिकों और बच्चों की मौत हो रही है। उन्होंने मांग की कि इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही मध्य पूर्व एशिया सहित विदेशों में काम कर रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जरूरत पड़ने पर उन्हें सुरक्षित वापस लाने की व्यवस्था करने की भी मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने घरेलू और कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में की गई वृद्धि वापस लेने, गरीबों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई रोकने तथा भूमिहीनों को आवास के लिए जमीन आवंटित करने की भी मांग उठाई। इस मौके पर ईश्वर शरण शुक्ला (जिला मंत्री, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी), कौशलेंद्र पांडेय (जिला मंत्री, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) जिला कमेटी गोंडा-बलरामपुर), जमाल (जिला मंत्री, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी माले), कामरेड सत्यनारायण त्रिपाठी, मुन्ना राम गौतम, रविशंकर विश्वकर्मा, अमित शुक्ला, आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, सुरेश कनौजिया, रामगोविन्द, राजीव सिंह, रमेश चौबे, सत्यपाल, लाल कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परीक्षा देने जा रहे हाईस्कूल छात्र की सड़क हादसे में मौत, घर में पसरा मातम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोण्डा। इटियाथोक थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहे एक छात्र की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। छात्र की मोटरसाइकिल गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान 16 वर्षीय जावेद पुत्र कलीम अख्तर निवासी कस्बा आर्यनगर, थाना कौड़िया के रूप में हुई है। जावेद राम कुमारी इंटर कॉलेज कौड़िया का छात्र था और मंगलवार को यूपी बोर्ड हाईस्कूल की चित्रकला विषय की अंतिम परीक्षा देने के लिए मोटरसाइकिल से इंद्र कुंवरि इंटर कॉलेज इटियाथोक जा रहा था। बताया जा रहा है कि इटियाथोक के गोंडा-बलरामपुर मार्ग पर बकठोरवा गांव के पास उसकी मोटरसाइकिल गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। यह ट्रॉली गन्ना क्रय केंद्र पर गन्ना बेचने जा रहे एक किसान की बताई जा रही है। टक्कर इतनी भीषण थी कि जावेद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। घायल जावेद को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटियाथोक ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक देखते हुए उसे गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार जावेद इससे पहले हाईस्कूल की पांच विषयों की परीक्षा देकर सकुशल घर लौट चुका था। मंगलवार को वह चित्रकला विषय की अंतिम परीक्षा देने जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही यह हादसा हो गया।

घर में चल रही थी बहन की शादी की तैयारी

जावेद के पिता कलीम अख्तर शटरिंग का काम करते हैं। जावेद दो भाइयों और चार बहनों में सबसे छोटा था। बड़े भाई का नाम परवेज खान (26) है। चार बहनों में से दो की शादी हो चुकी है, जबकि दो बहनों की शादी बाकी है। परिवार में छोटी बहन 22 वर्षीय शादिया की शादी की तैयारी चल रही थी। उसकी शादी 30 तारीख को तय है और मंगलवार को ही उसके लिए लगन आने वाली थी। लेकिन लगन आने से पहले ही भाई की मौत की खबर से घर में मातम छा गया और लगन का कार्यक्रम फिलहाल टाल दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। बड़ी संख्या में लोग जावेद के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक ने भी इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

जयमाल से पहले दूल्हा हुआ बेहोश दुल्हन ने किया शादी से इनकार

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर की चुनार कोतवाली क्षेत्र में एक शादी मे जयमाल की रस्म से ठीक पहले दूल्हा मंच पर बेहोश हो गया और ऐसे में दुल्हन ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद बारात बिना दुल्हन के ही वापस लौट गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दिनभर इसकी चर्चा होती रही। चोपन से आई दुल्हन और चुनार के दूल्हे की शादी रामबाग स्थित एक लॉन में तय थी। सोमवार सुबह ही दुल्हन पक्ष के लोग लॉन में पहुंच गए थे और शादी से पहले की सभी रस्में पूरी की जा रही थीं। देर शाम दूल्हा पक्ष भी बैंड-बाजे और डीजे की धुन पर नाचते-गाते बारात लेकर समारोह स्थल पर पहुंचा। यहां बारातियों का स्वागत किया गया और द्वाराचार की रस्म भी पूरी हुई। इसके बाद जयमाल का कार्यक्रम शुरू हुआ। दूल्हा स्टेज पर पहुंच गया और कुछ देर बाद दुल्हन भी वरमाला लेकर मंच पर आई। बताया जाता है कि जैसे ही जयमाल डालने की तैयारी हो रही थी, अचानक दूल्हा चक्कर खाकर स्टेज पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। दूल्हे की यह हालत देखकर दुल्हन ने तुरंत वरमाला पहनाने से इनकार कर दिया।

खेत में काम करने गया परिवार, घर का ताला तोड़ चोर ले उड़े आठ लाख के जेवर

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के लालगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार को दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई। चोरों ने बंद पड़े घर का ताला तोड़कर करीब आठ लाख रुपये के जेवरात और नगदी पार कर दिए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। घटना थाना लालगंज थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत बामी गांव की है। पीड़ित राधेश्याम प्रजापति ने बताया कि वह किसी काम से औराई गए थे, जबकि उनकी पत्नी बच्चों के साथ घर में ताला बंद कर खेत में मसूर काटने चली गई थीं। करीब साढ़े नौ बजे बड़ी बेटी पानी लेने घर पहुंची तो दरवाजे का ताला टूटा देख उसके होश उड़ गए। उसने तुरंत खेत में काम कर रही अपनी मां को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पड़ोस में रह रहे राधेश्याम के भाई रामप्रताप पड़ोसियों के साथ घर के अंदर पहुंचे तो देखा कि कमरे में सामान बिखरा पड़ा था और दो बक्सों के ताले टूटे हुए थे। पीड़ित के अनुसार चोर बक्सों में रखे बेटी की शादी के लिए तैयार किए गए जेवरात उठा ले गए। इनमें सोने का हार, कान का झाला, मंगलसूत्र, चार सोने की अंगूठी, नाक की कील, नथुनी, बालों का क्लिप, हांथ मेहंदी, चांदी का छागल सहित सोने-चांदी के अन्य आभूषण शामिल हैं। साथ ही घर में रखे 28 हजार रुपये नगद भी गायब मिले। सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी लहंगपुर सुजीत सेठ पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक अभय कुमार सिंह ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है। पुलिस टीम जांच कर रही है और तहरीर मिलने के बाद साक्ष्यों के आधार पर मामले का खुलासा किया जाएगा।

प्रतापगढ़ में लगे दो दिवसीय रोजगार मेले में 1172 युवकों को मिला रोजगार

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय वृहद रोजगार मेले का मंगलवार को समापन हुआ। मेले के दूसरे दिन 26 नियोजक संस्थानों ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया और योग्य उम्मीदवारों का चयन किया। दूसरे दिन की साक्षात्कार प्रक्रिया में विभिन्न कंपनियों द्वारा 392 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। दो दिवसीय रोजगार मेले में कुल 1172 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा किया गया, जिसमें प्रथम दिन 780 और दूसरे दिन 392 अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर मिले। मेले में शामिल कंपनियों ने बड़ी संख्या में युवाओं का साक्षात्कार लेकर उन्हें रोजगार प्रदान किया।

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर बीसीसीआई ने टीम इंडिया को दी 131 करोड़ इनामी राशि

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली टीम इंडिया के लिए 131 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड इनामी राशि का ऐलान किया है। यह राशि बीसीसीआई द्वारा किसी भी टी-20 विश्व कप जीत पर दी गई अब तक की सबसे बड़ी इनामी राशि है। इससे पहले जब भारतीय टीम ने 2024 में बारबाडोस में रोहित शर्मा की कप्तानी में टी-20 वर्ल्ड कप जीता था, तब बीसीसीआई ने 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की थी। इस बार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने इतिहास रचते हुए खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड किया, जिसके बाद बोर्ड ने और बड़ी राशि देने का फैसला किया। बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि भारतीय टीम को आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन और खिताबी जीत के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि दी जाएगी। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार टी-20 विश्व कप का खिताब जीतने का कारनामा किया और टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई। साथ ही भारत तीन बार टी-20 विश्व कप जीतने वाली भी पहली टीम बन गई है, जिससे सीमित ओवरों के इस प्रारूप में उसकी मजबूत स्थिति और भी पुख्ता हो गई है। बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन की कामना की।

गुजरात टाइटन्स ने मैथ्यू हेडन को बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया

अहमदाबाद। गुजरात टाइटन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। दो बार के वनडे विश्व कप विजेता और अपने जमाने के सबसे प्रभावशाली सलामी बल्लेबाजों में से एक हेडन का अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है। उन्हें टी20 में बल्लेबाजी का व्यापक अनुभव है और वह इसकी बारीकियों को समझते हैं। हेडन ने सभी प्रारूपों में 273 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने 15,000 से अधिक रन बनाए और आईसीसी के कई टूर्नामेंट में जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा, ''मैथ्यू की नियुक्ति हमारे सफर के महत्वपूर्ण मोड़ पर की गई है। शीर्ष स्तर पर उनका अनुभव और उभरती प्रतिभाओं को मार्गदर्शन देने की उनकी क्षमता आगामी सत्र में हमारे लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

सैमसन ने 'प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट' बनकर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत को तीसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने हाल में समाप्त हुई प्रतियोगिता का 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बनकर एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर दिया। सैमसन पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के पुरुष या महिला वर्ग के किसी टूर्नामेंट में अपनी टीम की तरफ से चार मैच नहीं खेलने के बावजूद 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार हासिल किया। उनसे पहले चार खिलाड़ी ही ऐसे थे जिन्होंने अपनी टीम के सभी मैच नहीं खेलने के बावजूद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था। इन खिलाड़ियों ने हालांकि अपनी टीम की तरफ से केवल एक मैच नहीं खेला था। प्रतियोगिता के शुरू होने पर सैमसन रन बनाने के लिए जूझ रहे थे और इसलिए उन्हें शुरुआती मैचों में अंतिम एकादश में नहीं चुना गया था। उन्हें बीच में अभिषेक शर्मा के अस्वस्थ होने के कारण एक मैच खेलने का मौका मिला लेकिन उसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था। सुपर आठ में दक्षिण अफ्रीका से बड़ी हार के बाद भारत ने अपने शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की अधिकता को देखते हुए दाएं हाथ के बल्लेबाज सैमसन को मौका दिया और केरल के इस खिलाड़ी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल की तरह बने मैच में नाबाद 97 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी 89 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। भारत ने इस टूर्नामेंट में कुल नौ मैच खेले जिनमें से सैमसन पांच मैच ही खेल पाए थे। आईसीसी के पुरुष या महिला वर्ग के टूर्नामेंट में इससे पहले 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बनने वाले किसी खिलाड़ी ने या तो अपनी टीम के सभी मैच खेले थे या फिर वे केवल एक मैच से बाहर रहे थे। जिन खिलाड़ियों ने आईसीसी के किसी टूर्नामेंट में एक मैच नहीं खेलने के बावजूद 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' पुरस्कार हासिल किया था, उनमें ऑस्ट्रेलिया की लिसा कीटली (महिला वनडे विश्व कप 2000, नौ में से आठ मैच खेले), ऑस्ट्रेलिया की ही कारेन रोल्टन (महिला वनडे विश्व कप 2005, आठ में से सात मैच खेले), इंग्लैंड के केविन पीटरसन (पुरुष टी20 विश्व कप 2010, सात में से छह मैच खेले) और न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र ((चैंपियंस ट्रॉफी 2025, पांच में से चार मैच खेले) शामिल हैं।

विश्व कप फुटबॉल बहुत बड़ा टूर्नामेंट, स्थगित करना आसान नहीं: मुख्य संचालन अधिकारी

डलास। फीफा विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के मुख्य संचालन अधिकारी हेइमो शिर्गी ने कहा कि यह बहुत बड़ा टूर्नामेंट है तथा अमेरिका और इजरायल के ईरान के खिलाफ युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक उथल-पुथल के चलते इसे स्थगित करना आसान नहीं होगा। विश्व कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा जिसमें पहली बार 48 देश भाग लेंगे। इनमें ईरान भी शामिल है। शिर्गी ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय प्रसारण केंद्र में कहा कि फीफा ईरान युद्ध और उसके नतीजों पर करीबी नजर रखे हुआ है। शिर्गी ने कहा, ''अगर मैं भविष्यवक्ता होता मैं अभी बता सकता था कि क्या होने वाला है, लेकिन जाहिर है कि स्थिति बदल रही है। उन्होंने कहा, '''हालात दिन-प्रतिदिन बदल रहे हैं और हम उन पर कड़ी नजर रख रहे हैं। हम अपने सभी संघीय और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर स्थिति का मूल्यांकन कर रहे हैं। हम हर दिन के हिसाब से चल रहे हैं और किसी न किसी स्तर पर हमें इसका समाधान मिल जाएगा। विश्व कप तो होगा ही, है ना विश्व कप बहुत बड़ा टूर्नामेंट है और हम उम्मीद करते हैं कि क्वालीफाई कर चुके सभी देश इसमें भाग लेंगे। विश्व कप फुटबॉल में इससे पहले 32 देश भाग लेते थे लेकिन पहली बार इस टूर्नामेंट में 48 देश भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन अमेरिका के 11, मैक्सिको के तीन और कनाडा के दो स्थानों पर किया जाएगा। अमेरिका ने पहले ही विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुके चार देशों ईरान, आइवरी कोस्ट, हैती और सेनेगल पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों और उनके करीबी रिश्तेदारों को छूट देने की बात कही है। शिर्गी ने कहा कि फीफा नयी जानकारी हासिल करने के लिए ईरानी फुटबॉल महासंघ के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने हालांकि इन बातचीत का ब्यौरा नहीं दिया।

कोवासेविक को हराकर इंडियन वेल्स के चौथे राउंड में पहुंचे जोकोविच

एजेंसी

इंडियन वेल्स। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सोमवार को इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में अमेरिका के एलेक्जेंडर कोवासेविक को तीन सेट के मुकाबले में हराकर बीएनपी परिबास ओपन के चौथे राउंड में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने सोमवार को एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में कोवासेविक को 6-4, 1-6, 6-4 से मात दी। यह 2017 के बाद इंडियन वेल्स में चौथे राउंड में उनकी पहली मौजूदगी होगी। इस आयोजन में पांच बार के चैंपियन जोकोविच इस हफ्ते की शुरुआत में कामिल माजक्रजाक के खिलाफ अपने शुरुआती मैच में भी तीन सेट तक खेलना पड़ा था। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ल्लएलेक्स का प्रदर्शन बहुत अच्छा था। हम एक-दूसरे को जानते हैं। हम एक ही भाषा बोलते हैं। उनका पूरा परिवार सर्बियाई है। मुझे मैच में आते ही पता था कि अगर वह अच्छी सर्विस करते हैं और अपनी जगह चुनते हैं, तो उनकी सर्विस को तोड़ना मुश्किल होगा।ङ्क रोजर फ़ेडरर के साथ सबसे ज़्यादा इंडियन वेल्स टाइटल जीतने का रिकॉर्ड साझा करने वाले जोकोविच हाल के सालों में टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दे सके हैं। उन्हें 2025 में बोटिक वैन डे ज़ैंड्सचुल्प से पहले ही राउंड में चौंकाने वाली हार का स्वाद चखना पड़ा था। चुनौतियों के बावजूद, जोकोविच ने टूर्नामेंट में अपनी 17वीं बार मौजूदगी के दौरान एक और मुश्किल मुकाबला किया और अब उनका सामना गत चैंपियन जैक ड्रेपर से होगा, जिन्होंने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 6-1, 7-5 से हराकर चौथे चरण में जगह बनायी है। जोकोविच ने कहा, ल्लईमानदारी से कहूं तो, मैं हर समय सच में खेल का आनंद नहीं ले पा रहा हूं। आप इन हालात में अच्छा खेलने की कोशिश कर रहे होते हैं जब विरोधी ज़बरदस्त टेनिस खेल रहा हो लेकिन किसी भी तरह जीतना ही मायने रखता है और मुझे खुशी है कि मैं आज इस चुनौती को पार करने में सफल रहा। इस जीत के साथ ही जोकोविच 1990 में सीरीज़ शुरू होने के बाद से एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता के चौथे राउंड में पहुंचने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उनसे आगे सिर्फ़ इवो कार्लोविक हैं, जिन्होंने 2019 में इंडियन वेल्स में 40 साल की उम्र में यह कामयाबी हासिल की थी। इस बीच, स्पेन की युवा प्रतिभा कार्लोस अल्काराज़ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को 6-7(6), 6-3, 6-2 से हराकर बीएनपी परिबास ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान की महिला फुटबॉल टीम की पांच सदस्यों को शरण दी: अधिकारी

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने मंगलवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने ईरान की महिला फुटबॉल टीम की पांच सदस्यों को शरण दी है, जो ईरान में युद्ध शुरू होने से पहले एक टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए देश का दौरा कर रही थीं। ऑस्ट्रेलिया में ईरानी समूहों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया की सरकार से उन महिलाओं की मदद करने का आग्रह किया था, जो सार्वजनिक रूप से शरण नहीं मांग पा रही हैं। टीम की खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती मैच से पहले ईरान का राष्ट्रगान नहीं गाया था जिसके बाद कई तरह की अटकलें लगाई जाने लगी थी और इसे मीडिया में भी काफी कवरेज मिली थी। स्थानीय समयानुसार मंगलवार तड़के ऑस्ट्रेलिया के संघीय पुलिस ने शरण के लिए आवेदन करने वाली पांच महिलाओं को उनके होटल से ''सुरक्षित स्थान'' पर पहुंचाया। बर्क ने ब्रिस्बेन में पत्रकारों को बताया कि उन्होंने इन महिला खिलाड़ियों से मुलाकात की और मानवीय आधार पर उनके वीजा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बर्क ने कहा, ''मैं इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता कि प्रत्येक महिला के लिए यह फैसला करना कितना मुश्किल रहा होगा लेकिन निश्चित रूप से कल रात खुशी और राहत का माहौल था। बर्क ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते समय महिलाओं के मुस्कुराते और ताली बजाते हुए फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। उन्होंने कहा, ''वे ऑस्ट्रेलिया में एक नया जीवन शुरू करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। बर्क ने कहा कि शरण लेने वाली महिला खिलाड़ी अपने नाम और तस्वीरें प्रकाशित होने से खुश थीं। खिलाड़ियों ने यह स्पष्ट किया कि वह राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं हैं। टीम की अन्य 21 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने से ठीक पहले पिछले महीने एएफसी महिला एशियाई कप में भाग लेने के लिए ईरानी टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी। उसकी टीम टूर्नामेंट से जल्द बाहर हो गई जिसके बाद टीम को अपने देश लौटना था जहां युद्ध के कारण हालात खराब हैं। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी 'एएपी' की खबर के अनुसार, ईरान की मुख्य कोच मर्जियेह जाफरी ने रविवार को कहा कि खिलाड़ी ''जितनी जल्दी हो सके ईरान वापस लौटना चाहती हैं''। ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाली ईरान की टीम में 26 खिलाड़ी तथा सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल थे। बर्क ने कहा कि टीम के सभी सदस्यों को शरण का प्रस्ताव दिया गया था। बर्क ने कहा, ''ये महिलाएं ऑस्ट्रेलिया में बेहद लोकप्रिय हैं, लेकिन हम समझते हैं कि वे अपने फैसलों को लेकर बेहद मुश्किल स्थिति में हैं। वे जब भी चाहें तब ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों से बात कर सकती हैं। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि ईरान के अन्य खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य ऑस्ट्रेलिया से कब रवाना होंगे।

आईजीपीएल 2026 के आकर्षण का केंद्र होंगे गगनजीत भुल्लर

चंडीगढ़। मौजूदा चैंपियन गगनजीत भुल्लर 11 से 13 मार्च तक यहां होने वाले इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के पहले चरण में आकर्षण का केंद्र होंगे जिसमें कई अन्य शीर्ष खिलाड़ी भी भाग लेंगे। भुल्लर ने 2025 में आईजीपीएल में खिताब जीता था और इस बार उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। एशियाई टूर में 11 जीत के साथ भारत के सबसे सफल खिलाड़ी रहे भुल्लर के अलावा इस प्रतियोगिता में पुखराज सिंह गिल भी भाग लेंगे, जिन्होंने 2025 में आईजीपीएल ऑर्डर ऑफ मेरिट जीता था। इनके अलावा एशियाई टूर के स्टार करणदीप कोचर और अमन राज भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। इस प्रतियोगिता में 2025 में मुकाबला इतना करीबी था कि शीर्ष तीन खिलाड़ियों पुखराज (81,90,652 रुपये), अमन राज (81,81,708 रुपये) और भुल्लर (81,30,000 रुपये) के बीच केवल 60,000 रुपये से कुछ अधिक का अंतर था। इस प्रतियोगिता में कुल 58 खिलाड़ी भाग लेंगे जिनमें नौ एमेच्योर खिलाड़ी भी शामिल हैं। इसमें कोई कट नहीं होगा। एमेच्योर खिलाड़ियों में जीव मिल्खा सिंह के पुत्र हरजाई मिल्खा सिंह भी शामिल हैं।

मौजूदा चैंपियन एंड्रीवा ने हार के बाद रैकेट तोड़ा और दर्शकों पर चिल्लाई

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया)। मौजूदा चैंपियन मीरा एंड्रीवा ने बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के तीसरे दौर में हारने के बाद अपना रैकेट कई बार पटका और फिर दर्शकों पर चिल्लाती हुई कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा गैर वरीयता प्राप्त कैटेरीना सिनियाकोवा से 4–6, 6–7(5), 6–3 से हार गई। मैच के दौरान भी उनका व्यवहार अच्छा नहीं रहा और हारने के बाद वह अपना आपा खो बैठी। दूसरे सेट का टाईब्रेकर हारने के बाद एंड्रीवा ने अपना रैकेट फेंक दिया और फिर उसे तोड़ दिया जो नियमों का उल्लंघन था। उन्होंने मैच प्वाइंट के बाद अपना रैकेट फिर से फेंक दिया। वह सिनियाकोवा से हाथ मिलाने के लिए नेट पर गई। इसके बाद एंड्रीवा दर्शकों की ओर इशारा करते और चिल्लाते हुए कोर्ट से बाहर चली गई। एंड्रीवा ने बाद में कहा, ''मैं अपने व्यवहार से वास्तव में खुश नहीं हूं। मैंने आखिर में जो कुछ किया उस पर मुझे गर्व नहीं है। यह ऐसी चीजें हैं जिन पर मुझे वास्तव में जल्द से जल्द काम करने की जरूरत है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को बीमा समर्थन देने पर विचार: गोयल

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को मदद देने के लिए सरकार बीमा समर्थन की नई योजना लाने की संभावना तलाश रही है। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इस संबंध में निर्यात ऋण गारंटी देने वाली इकाई ईसीजीसी और अन्य विभागों के साथ परामर्श किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम निर्यातकों की मदद के लिए बीमा समर्थन जैसी कुछ नई योजनाएं विकसित करने पर भी विचार कर रहे हैं। इस बारे में ईसीजीसी और अन्य विभागों से चर्चा की जा रही है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,970 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,670 रुपये से लेकर 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,190 रुपये से लेकर 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,61,820 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जीपीकेएल सीजन-२ की तैयारियां तेज देशभर में खिलाड़ियों की स्काउटिंग शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) के सीजन 2 की तैयारियां तेज हो गई हैं। दूसरे सीजन के लिए देश के प्रमुख कबड्डी केंद्रों में खिलाड़ियों की स्काउटिंग (प्रतिभा खोज) प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मजबूत खिलाड़ियों का पूल तैयार करने के उद्देश्य से कई प्रतिभाओं की पहचान की जा रही है। लीग आयोजकों ने बताया कि स्काउटिंग प्रक्रिया में खिलाड़ियों का मूल्यांकन तकनीकी कौशल, फिटनेस, रणनीतिक समझ और मैच टेम्परामेंट के आधार पर किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को बाद में केंद्रीय प्लेयर ड्राफ्ट पूल में शामिल किया जाएगा। पुरुष और महिला दोनों वर्गों की टीमों के लिए प्लेयर ड्राफ्ट संरचना पहले ही तय कर ली गई है। हर फ्रेंचाइजी से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के संतुलित संयोजन के साथ टीम बनाने की उम्मीद है। स्काउटिंग पर बात करते बुए जीपीकेएल सीजन-2 के लिए प्लेयर ड्राफ्ट प्रक्रिया की देखरेख कर रहे कार्तिक दम्मू ने कहा कि लीग के लिए मजबूत और प्रतिस्पर्धी प्रतिभा पूल तैयार करना इसका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा, ल्लकई प्रमुख कबड्डी अकादमियों के माध्यम से खिलाड़ियों की स्काउटिंग शुरू हो चुकी है। हम देश के पारंपरिक कबड्डी क्षेत्रों से प्रतिभाओं की पहचान कर रहे हैं। पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए ड्राफ्ट संरचना तय होने के बाद हमारा ध्यान संतुलित टीम बनाने पर है, जिसमें घरेलू ताकत के साथ उभरती अंतरराष्ट्रीय प्रतिभा भी शामिल हो। लीग का यह ढांचा प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ उभरते कबड्डी देशों को इस खेल के पेशेवर तंत्र से जोड़ने के विजन को आगे बढ़ाता है।

गुजरात सरकार ने उद्योगों को गैस आपूर्ति में 50 प्रतिशत तक कटौती की

अहमदाबाद। पश्चिम एशिया संकट से गैस आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच गुजरात सरकार ने घरेलू रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उद्योगों को होने वाली गैस आपूर्ति में 50 प्रतिशत तक कटौती कर दी है। गुजरात के ऊर्जा मंत्री ऋषिकेश पटेल ने मंगलवार को विधानसभा सत्र से पहले यहां संवाददाताओं से कहा कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी भी घर में रसोई गैस सिलेंडर की कमी न हो। उन्होंने कहा कि गैस की घरेलू खपत को प्राथमिकता देने के लिए कुछ औद्योगिक उपयोगों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन्होंने कहा, उद्योगों को मिलने वाली गैस आपूर्ति में 50 प्रतिशत की कटौती की गई है।

कच्चे तेल की कीमत में छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट, भारत जैसे तेल आयातकों को मिलेगी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ युद्ध जल्द खत्म होने की बात कहे जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमत में भी जोरदार गिरावट दर्ज की गई। आज क्रूड ऑयल की कीमत में लगभग छह प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण ब्रेंट क्रूड 93 डॉलर प्रति बैरल और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 88 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। इसके पहले सोमवार को कच्चे तेल की कीमत 119 डॉलर के स्तर को भी पार कर गई थी। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध खत्म होने की बात कहे जाने के बाद कल ही ब्रेंट क्रूड गिरकर 98.96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बंद हुआ था। इसके बाद आज ब्रेंट क्रूड ने 91.49 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर कारोबार की शुरुआत की। कारोबार शुरू होते ही ब्रेंट क्रूड टूट कर 88.22 प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। हालांकि इसके बाद एक बार फिर इसकी कीमत में तेजी का रुख बना। दोपहर 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेड क्रूड 6.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 92.91 प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने भी सोमवार को 119 डॉलर प्रति बैरल का स्तर पर करने के बाद 94.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार का अंत किया था। आज इसने भी 87.81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। कारोबार शुरू होने के बाद डब्ल्यूटीआई क्रूड लुढ़क कर 84.43 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। इसके बाद इसकी चाल में सुधार हुआ। दोपहर 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद डब्ल्यूटीआई क्रूड 6.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 88.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स आज 6.51 डॉलर प्रति बैरल यानी 6.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ फिलहाल 92.45 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर्स आज 6.12 डॉलर प्रति बैरल यानी 6.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 88.65 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ है। आपको बता दे की पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव की वजह से सोमवार को कच्चे तेल की कीमत जबरदस्त उछाल के साथ 119 डॉलर का स्तर पार कर 120 डॉलर प्रति बैरल के काफी करीब पहुंच गई थी। हालांकि बाद में डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्ध के जल्द खत्म होने की बात कह कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर बनी चिंता को काफी हद तक काम कर दिया। इस वजह से कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का रुख बनने लगा। बताया जा रहा है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी सोमवार को डोनाल्ड ट्रंप से ईरान युद्ध को जल्द खत्म करने के संबंध में बातचीत की। कहा जा रहा है कि इस बातचीत में पुतिन ने अपनी ओर से शांति प्रस्ताव भी पेश किया। इस बातचीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी मीडिया को दिए इंटरव्यू में ईरान युद्ध जल्द खत्म होने के संकेत दिए। हालांकि ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने ट्रंप की बात को नकारते हुए कहा कि युद्ध का अंत ईरान तय करेगा और अगर अमेरिका और इजरायल के हमले जारी रहे तो पश्चिम एशिया से एक लीटर तेल का भी एक्सपोर्ट नहीं होने दिया जाएगा।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मध्यप्रदेश में हर घंटे औसतन 8 साइबर क्राइम के मामले दर्ज हो रहे

■ गिने-चुने लोगों को ही वापस मिलती है ठगी की रकम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश में हर घंटे औसतन 8 साइबर क्राइम के मामले दर्ज हो रहे हैं। अगर हिसाब लगाया जाए तो रोज लगभग 190 लोग साइबर फ्रॉड का शिकार हो रहे हैं। 2025 में पहले छह महीनों में ही कुल 34021 साइबर अपराध के केस सामने आए हैं, जबकि यह आंकड़ा 2021 के मुकाबले कई गुना ज्यादा है, जब पूरे साल में सिर्फ 13768 मामले दर्ज हुए थे। साल 2021 से 2025 तक का साइबर ठगी का ग्राफ अब आसमान छू रहा है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार 2022 में 26053, 2023 में 52846 और 2024 में 68,578 मामले सामने आए थे। 2025 में जनवरी से जून माह तक ही 34,021 एफआईआर दर्ज की जा चुकी है, जो साल के अंत के फाइनल आंकड़ों में 70 हजार से अधिक हो सकती हैं। ये वे मामले हैं जिनकी जानकारी केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से दी गई है। राज्यसभा में पेश किए गए इन आंकड़ों के अनुसार ये मामले मुख्य रूप से फिशिंग, ओटीपी स्कैम, फर्जी जॉब ऑफर, शेयर मार्केट, निवेश घोटाले, डिजिटल अरेस्ट और सोशल मीडिया पर होने वाले अन्य फर्जीवाड़ों से जुड़े हैं। पुलिस के अनुसार इस तरह के मामले प्रदेश के महानगरों भोपाल-इंदौर से लेकर छोटे कस्बों तक तेजी से सामने आ रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पुलिस इन मामलों को सुलझाने में जूझ रही है। राज्य साइबर सेल में इस तरह के अपराधों की जांच करने वाले ट्रेंड अधिकारी बहुत कम हैं। स्टेट साइबर सेल के साथ ही जिलों की साइबर सेल में भी केवल डिजिटल और साइबर स्कैम की जांच करने वाले अफसरों की संख्या 500 से भी कम है. ऐसे में यही अधिकारी हजारों शिकायतों की जांच का बोझ उठा रहे हैं। इन मामलों में सबसे ज्यादा मुश्किल तब आती है जब ठगी को अंजाम देने वाला गिरोह अंतरराष्ट्रीय और अंतरराज्यीय होता है। ऐसे में उन्हें ट्रेस करना मुश्किल हो जाता है। एमपी में साइबर फ्रॉड सकी रिकवरी की स्थिति भी दयनीय है। यहां केवल गिने-चुने लोगों को ही ठगी की रकम वापस मिल पाती है।

फांसी लगाकर युवक ने दी जान, पत्नी की मौत के बाद पीने लगा था शराब

जौनपुर। यूपी के जनपद जौनपुर के जफराबाद थाना क्षेत्र के बैजाबाद गांव निवासी एक युवक ने सोमवार की देर रात को पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली । मंगलवार की सुबह जानकारी होते ही कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया पत्नी की मौत के बाद युवक अधिक शराब का नशा करने लगा था। वह अक्सर कहता कि उसकी पत्नी की आत्मा उसे परेशान कर रही है। बैजाबाद गांव निवासी सूरज चौहान पुत्र बाबूराम चौहान की डेढ़ वर्ष पहले शादी हुई थी।वह पत्नी के साथ मुम्बई रहकर रोजी रोटी कमाता था। दो माह पूर्व उसकी पत्नी ने मुम्बई में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया था। उसका अंतिम संस्कार करने के बाद सूरज मुंबई से घर आकर रहने लगा।

शिक्षा से ही मिलती है जीवन की असली मंज़िल : प्रो. वंदना सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा देवकली गाँव में संचालित प्रेरणा कोचिंग से जुड़े ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शैक्षिक सामग्री वितरित की गयी। विद्यार्थियों को स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्किट वितरित किए गए। यह कार्यक्रम अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विद्यार्थियों को किट वितरित की तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बल पर ही जीवन में हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों से उनके सपनों के बारे में भी बातचीत की और उन्हें अपने लक्ष्य को पाने के लिए निरंतर परिश्रम करने का संदेश दिया। इस अवसर पर डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. इंद्रेश कुमार, सुमित सिंह, दिव्यांशु सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। प्रेरणा टीम के शिक्षकों में शिवम यादव (समन्वयक), विकास पटेल, रवि सिंह यादव, श्रवण कुमार, अभय राज निषाद एवं निलेश यादव का विशेष सहयोग रहा।

जल संरचनाओं की सघन सफाई के साथ अमृत मित्र संभालेंगे जल संरक्षण की कमान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 'जल गंगा संवर्धन अभियान-2026' में प्रदेश की जल संपदा को सहेजने और नगरीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास हेतु सुदृढ़ रणनीति तैयार की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार इस कार्य योजना का मुख्य ध्येय नगरीय निकायों में पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार करना और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखते हुए नागरिकों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करना है। इस अभियान में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शासन ने सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया है कि वे नदियों, तालाबों, बावडियों और नालों के किनारों पर किए गए अतिक्रमण को चिह्नित कर तत्काल हटाने की प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त बनाने से न केवल उनके प्राकृतिक स्वरूप को लौटाया जा सकेगा। साथ ही वर्षा जल के निर्बाध प्रवाह से भू-जल स्तर में भी आशातीत वृद्धि होगी। अभियान में बुनियादी ढांचे और स्वच्छता कार्यों के लिए व्यापक वित्तीय प्रावधान किए गए हैं, जिसमें अमृत 2.0 से प्रदेश की 112 जल संग्रहण संरचनाओं, जिनका क्षेत्रफल लगभग 3315 एकड़ है, के जीर्णोद्धार के लिये 67 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से 100 प्रमुख नालों के शुद्धिकरण की योजना पर 664 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। विभाग ने आगामी समय में 1000 जल ग्रहण संरचनाओं के वैज्ञानिक पद्धति से संवर्धन और 5000 नाले-नालियों की सघन सफाई एवं सौंदर्यीकरण का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। नगरीय क्षेत्रों में जल संचय की आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए 5000 नई रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणालियां स्थापित की जाएंगी, जो भविष्य की जल सुरक्षा के लिए मील का पत्थर साबित होंगी। नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विभाग ने समस्त नगरीय निकायों में रणनीतिक स्थलों जैसे प्रमुख बाजारों, बस स्टैंडों और सार्वजनिक चौराहों पर सुव्यवस्थित प्याऊ स्थापित करने के निर्देश जारी किए हैं। इससे ग्रीष्मकाल में राहगीरों और आमजन को शुद्ध पेयजल सुलभ हो सकेगा। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को अभियान का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए अमृत 2.0 के तहत 116 निकायों में 300 एकड़ क्षेत्र को नवीन हरित क्षेत्रों के रूप में विकसित किया जाएगा, जिस पर लगभग 29 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जाएगी। आगामी मानसून सत्र के दौरान प्रदेश भर में 1 करोड़ पौधों के रोपण की तैयारी भी की गई है। अभियान में युवा शक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिये 5000 युवाओं को 'अमृत मित्र' के रूप में ख्र्ड्ढ उद्धथन्थ्प् पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा, जो जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। यह एकीकृत कार्य योजना न केवल प्रदेश की जल धरोहरों को संरक्षित करेगी बल्कि एक स्वच्छ और हरित मध्यप्रदेश के संकल्प को भी साकार करेगी।

घाटमपुर में पेड़ से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर रेउना थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक नीलगाय से बचने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में हैलट अस्पताल रेफर किया गया। वहां उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। कानपुर देहात निवासी (26) कैलाश पाल अपने साथी (28) छोटू पाल के साथ देर रात बाइक से किसी निजी काम से घाटमपुर की ओर जा रहे थे। जैसे ही दोनों रेउना थाना क्षेत्र के दरौली गांव के पास पहुंचे, तभी अचानक बाइक के सामने नीलगाय आ गई। नीलगाय को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़े। हादसा देख आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी देते हुए दोनों घायलों को घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने कैलाश पाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं छोटू पाल की हालत गंभीर देखते हुए उसे हैलट अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

उप्र राज्य महिला आयोग की सदस्य ने किया महिला शिकायतों का त्वरित निस्तारण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में सर्किट हाउस में राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा ने मंगलवार को जनसुनवाई कर महिलाओं से जुड़े मामलों का त्वरित निस्तारण किया। इस दौरान कुछ प्रकरण में विधि प्राधिकरण के अधिकारियों की भूमिका को देखते हुए उन्हें सौंप दिया गया। राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा ने कहा कि आयोग महिलाओं के अधिकार और सुरक्षा के लिए निरंतर सुनवाई करा रहा है। आयोग की सुनवाई के दौरान पीड़ित महसूस कर रही महिलाएं अपना विषय बिंदु रख सकती हैं। जिस भी विभाग के अधिकारी महिला प्रकरण को गंभीरता से नहीं ले रहे है, उस शिकायत को आयोग तक पहुंचा सकती है। राज्य महिला आयोग प्रत्येक मामले में दोनों पक्षों को सुनता है और तथ्य के आधार पर कार्रवाई करता है। आज सुनवाई के दौरान उनके सामने 77 प्रकरण आए थे। जिसमें 41 प्रकरणों का निस्तारण हो चुका है, जबकि 33 मामले अभी आयोग के समक्ष लंबित हैं।

कानपुर शहर के 14 नाले टैप होंगे, गंगा होगी साफ 138 करोड़ की परियोजना को मिली मंजूरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहर कानपुर के विकास और गंगा नदी को स्वच्छ बनाने की दिशा में मंगलवार को अहम कदम उठाया गया है। शहर के 14 प्रमुख नालों को टैप करने की 138 करोड़ 11 लाख रुपये की परियोजना को स्वीकृति मिल गई है। स्थानीय सांसद रमेश अवस्थी ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना नमामि गंगे अभियान को मजबूत करने के साथ ही शहर में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। सांसद अवस्थी ने बताया कि इस योजना के तहत शहर के प्रमुख नालों के गंदे पानी को सीधे गंगा नदी में गिरने से रोका जाएगा। इसके लिए नालों को टैप कर उनके पानी को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की ओर मोड़ा जाएगा, जिससे गंगा में जाने वाले प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। लंबे समय से कानपुर में नालों से निकलने वाला अपशिष्ट जल गंगा प्रदूषण का प्रमुख कारण माना जाता रहा है। सांसद रमेश अवस्थी ने यह भी बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय जलमार्ग-एक को वाराणसी से कानपुर तक विस्तारित करने की मांग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल से की है। वर्तमान में यह जलमार्ग वाराणसी से कोलकाता तक संचालित है। इसे कानपुर तक करीब दो सौ किलोमीटर बढ़ाए जाने से क्षेत्र के उद्योगों को माल ढुलाई के लिए सस्ता और सुविधाजनक विकल्प मिल सकेगा। इस विस्तार से कानपुर के चमड़ा उद्योग, जिसका वार्षिक निर्यात लगभग छह हजार करोड़ रुपये है, को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। इसके अलावा लगभग दो सौ करोड़ रुपये के वस्त्र उद्योग तथा 16 हजार 675 से अधिक इंजीनियरिंग इकाइयों को भी परिवहन लागत में राहत मिलेगी। कन्नौज के इत्र और सुगंधित उत्पादों के निर्यात को भी नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। अनुमान है कि जलमार्ग के विस्तार से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में लगभग 04 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि हो सकती है और हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा; साथ ही घाटमपुर और पनकी तापीय संयंत्रों को लगभग चार मिलियन टन कोयला जलमार्ग से उपलब्ध हो सकेगा, जिससे परिवहन लागत में लगभग चालीस प्रतिशत तक कमी आ सकती है। सांसद के अनुसार इन दोनों पहलों से एक ओर जहां कानपुर के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण और गंगा की स्वच्छता को भी मजबूती मिलेगी।

होली के बाद कानपुर में रंगों का ऐतिहासिक गंगा मेला शुरू, गलियों में रंग और उल्लास का दिख रहा नजारा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। देश भर में होली का रंग भले ही उतरने लगा हो, लेकिन कानपुर में रंगों का असली उत्सव अब शुरू होता है। सदियों पुरानी परंपरा और अनोखी रंग-बिरंगी झलकियों के लिए प्रसिद्ध ऐतिहासिक गंगा मेले की शुरुआत मंगलवार को हटिया स्थित रज्जन बाबू पार्क में झंडारोहण के साथ हुई। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने मंगलवार को ध्वजारोहण कर मेले का शुभारंभ किया, जिसके साथ ही शहर की गलियों में रंग और उल्लास का अनोखा नजारा दिखाई देने लगा। गंगा मेले की पहचान रंगों से सजे ठेलों के साथ निकलने वाली टोलियों से होती है। ये टोलियां शहर की तंग गलियों और पुराने बाजारों से गुजरते हुए लोगों को अपने साथ इस रंगोत्सव में शामिल करती चलती हैं। ढोल-नगाड़ों की गूंज, उड़ता अबीर-गुलाल और रंगों से सराबोर लोग–यह दृश्य कानपुर की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। टोलियां आगे बढ़ते हुए बहाना रोड तक पहुंचेंगी, जहां मटकी फोड़ और कपड़ा फाड़ होली का आयोजन किया जाएगा, जिसे देखने के लिए हर साल हजारों लोग उमड़ते हैं। कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता, भाजपा एमएलसी सलील बिश्नोई, आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेयी, हटिया मेला कमेटी के सदस्य तथा हास्य कलाकार अनु अवस्थी सहित कई जनप्रतिनिधि और इलाकाई लोग मौजूद रहे। गंगा मेला कमेटी के अध्यक्ष ज्ञानेश बिश्नोई ने बताया कि इस वर्ष 85वां गंगा मेला आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी कारणवश इस बार भैंस ठेला गंगा मेले का हिस्सा नहीं बन पाया है। हालांकि टोलियों में ट्रैक्टर-गाड़ियां और ऊंट लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। दोपहर तक चलने वाले इस रंगोत्सव के बाद सरसैया घाट पर गंगा मेले का मुख्य आयोजन होगा, जहां बड़ी संख्या में लोग गंगा तट पर पहुंचकर एक-दूसरे को बधाई देंगे और इस ऐतिहासिक परंपरा का हिस्सा बनेंगे। दरअसल, गंगा मेले की परंपरा 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के 43 क्रांतिकारियों जुड़ी मानी जाती है। जब अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में जीत के बाद क्रांतिकारियों और शहरवासियों ने गंगा तट पर एकत्र होकर रंग खेलते हुए इस उत्सव को मनाया था। तभी से यह परंपरा आज तक चली आ रही है और हर वर्ष होली के बाद कानपुर में गंगा मेला बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

जरूरतमंद बेटी के विवाह में आगे आई समाजसेवी संस्था, गृह उपयोगी सामग्री व आर्थिक मदद की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में समाजसेवी संगठन 'एक विचित्र पहल' सेवा समिति द्वारा एक जरूरतमंद बेटी के विवाह में सराहनीय पहल की। इस क्रम में मोहल्ला दयालपुर, बड़ी माता मंदिर के समीप रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के दर्शन सिंह की पुत्री अंजली का विवाह 11 मार्च को अछल्दा क्षेत्र के उम्मेद का नगला निवासी अनुज के साथ संपन्न होना है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अंजली की मां उमा देवी ने समिति से मदद की गुहार लगाई थी। समिति के सदस्यों ने अंजली के घर पहुंचकर उसका तिलक, माल्यार्पण और पुष्प वर्षा कर सम्मान किया। इस दौरान सखी ग्रुप की अध्यक्ष लक्ष्मी बिश्नोई व अन्य सदस्यों की उपस्थिति में अंजली को 20 किलो गेहूं का आटा, साड़ियां, सूट, स्टील के बर्तन, कंबल, बेडशीट, बाल्टी, परात, कुकर, नाश्ता किट, मिक्सी, सीलिंग फैन, चाय कप सेट, दीवार घड़ी, टिफिन, श्रृंगार सामग्री सहित अन्य गृह उपयोगी सामान और आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। संस्था के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) ने बताया कि समिति और जनसहयोग से अब तक शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों की 69 जरूरतमंद बेटियों के विवाह में मदद की जा चुकी है और अंजली का विवाह संस्था द्वारा सहयोग की 70वीं पहल है। संस्था के संस्थापक औरैया रत्न आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि सर्व समाज की जरूरतमंद बेटियों की सहायता का यह कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर समाजसेविका मंजू गुप्ता, राखी गुप्ता, एकता गुप्ता, बबिता गुप्ता, संजय अग्रवाल, मनोज पुरवार, विनोद पोरवाल, हिमांशु दुबे, सतीश, पिंटू, संध्या देवी सहित मोहल्ले के कई लोग मौजूद रहे। संस्था द्वारा की गई इस पहल से परिवार के चेहरों पर खुशी दिखाई दी और उपस्थित लोगों ने इस सामाजिक कार्य की सराहना की।